यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्र-छात्राओं को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मेरठ निवासी छात्रा तमन्ना की मां रीना त्यागी ने बताया कि रोमानिया बॉर्डर पर विदेशी लड़कों ने भारतीय छात्राओं पर पेपर स्प्रे डाल दिया।

# जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 77 दिनांक: 28-02-2022 सोमवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पांचवें चरण का मतदान रविवार को 12 जिलों के 61 विधानसभा क्षेत्र में समाप्त हो गया है। निर्वाचन आयोग के अनुसार पांच बजे तक 53.93 प्रतिशत मतदान हो गया। अभी अंतिम आंकड़ों का इंतजार है।

## जंग के बीच शांति की उम्मीद, यूक्रेन-रूस सीमा पर करेंगे बातचीत

मास्को/कीव, (ईएमएस)। यूक्रेन में जंग छेड़ चुका रूस एक बार फिर से बातचीत के लिए तैयार है। रूस ने खुद यूक्रेन से वार्ता की पेशकश की है। इसके लिए रूसी प्रतिनिधिमंडल को बेलारूस भी भेजा गया है। खबर है कि, इस बार रूस बिना शर्त बातचीत के लिए तैयार हो गया है। रूस की ओर से बातचीत की पेशकश और बेलारूस में प्रतिनिधिमंडल भेजे जाने के बाद यूक्रेन भी शर्त रखने के बाद हामी भर दी है। देर रात यूक्रेन और रूस के डेलिगेशन बेलारूस और यूक्रेन को जोड़ने वाली सीमा पर बातचीत कर सकते हैं। हालांकि, दोनों देशों की तरफ से इस बारे में ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं आया है। इसके पहले दिनभर ये खबरें आती रहीं कि यूक्रेन के राष्ट्रपति अपने निजी मेंबर को बातचीत के लिए बेलारूस भेजने को तैयार नहीं हैं, क्योंकि वो सीधे तौर पर जंग में रूस के साथ है। बहरहाल, अब ये तय हुआ है कि बातचीत बॉर्डर पर होगी।

रूस के हमले में 240 आम नागरिकों की मौत

रूस-यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग में सैंकड़ों लोग मारे गए हैं। संयुक्त राष्ट्र की ओर से पुष्टि की गई है कि रूस की ओर से किए गए हमले में अभी तक 240 लोगों की मौत हुई है। वहीं यूक्रेन ने रूस के चेचन स्पेशल फोर्स के शीर्ष कमांडर मैगोमेद तुशैव को मार गिराया है।

यूक्रेन में रूस ने उड़ा दी गैस पाइपलाइन

यूक्रेन के आंतरिक इलाकों में रूस की सेना प्रवेश कर गई है और तबाही मचा रही है। रूस की सेना ने यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में एक गैस की पाइपलाइन उड़ा दी। वहीं जर्मनी और फ्रांस ने यूक्रेन की मदद का आश्वासन दिया है। रूस की सेना कीव से मात्र चार किलोमीटर की दूरी पर एक नदी के किनारे रुकी है। वहीं यूक्रेन के सैनिकों ने शहर के किनारे घेराबंदी कर रखी है।

रूसी सैनिकों ने बैंक का लॉकर तोड़ा

रूसी सेना ने यूक्रेन की घेराबंदी कर ली है। शहरों में घुसे रूसी सैनिक लूटपाट कर रहे हैं। खार्किव पर कब्जा करने के बाद रूसी सैनिकों ने एक बैंक लूट लिया, तो वहीं एक डिपार्टमेंटल स्टोर में घुसकर सामान भी उठाते नजर आए। इधर, रूसी हमले के बाद कीव, खार्किव, मेलिटोपोल जैसे बड़े शहरों में हर जगह बर्बादी दिख रही है। मिसाइल हमलों से इमारतें बर्बाद हो गई हैं।

खारकीव पर यूक्रेन का फिर से कब्जा

यूक्रेन और रूस के बीच घमासान जंग जारी है। रूसी सेना ने यूक्रेन के कई शहरों पर अपना कब्जा कर लिया है। इसी बीच देश के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में भी दोनों देशों के बीच जंग देखने को मिली। इस शहर पर रूसी सेना घुसने में कामयाब हो गई थी और कब्जा कर लिया था। लेकिन यूक्रेन सैनिकों ने दोबारा से शहर पर अपना कब्जा स्थापित करने में कामयाब हो गया।

## यूपी में 5वें फेज में 55 फीसदी मतदान

-गुंडागर्दी, बूथ कैप्चरिंग, फायरिंग के बीच मतदान संपन्न

लखनऊ (ईएमएस)। यूपी में रविवार को विधानसभा चुनाव के 5वें फेज में 12 जिलों की 61 सीटों पर वोटिंग हुई। यहां करीब 55 फीसदी मतदान हुआ है। शाम 7 बजे तक 54.53 प्रतिशत वोटिंग हुई है। सबसे अधिक मतदान 59.64 प्रतिशत चित्रकूट में हुआ है। अयोध्या 58.01 प्रतिशत वोटिंग के साथ दूसरे नंबर पर है।

गुंडागर्दी, बूथ कैप्चरिंग, फायरिंग के बीच यूपी विधानसभा चुनाव के पांचवें चरण में राज्य के 12 जिलों की 61 सीटों के लिए वोटिंग हुई। अमेठी में करीब 52.77 फीसदी वोट डाले गए हैं, जबकि अयोध्या में 58.01 फीसदी लोगों ने अपने मत का इस्तेमाल किया है। इसके अलावा बहराइच में 54.60 फीसदी वोटिंग हुई है। बाराबंकी में 54.65 फीसदी और चित्रकूट में 59.64 फीसदी जनता ने वोट डाला है। वहीं गोंडा में 54.47 फीसदी, कौशांबी में 57.01 फीसदी और प्रतापगढ़ में 50.93 फीसदी मतदान हुआ है। रायबरेली में 56.06 फीसदी, श्रावस्ती में 57.24 फीसदी, सुल्तानपुर में 54.88 फीसदी वोट परसेंट अब तक सामने आया है।

पांचवें चरण के चुनाव पर उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने कहा कि मतदान के दौरान कुल 377 मामले आदर्श चुनाव संहिता के उल्लंघन के दर्ज किए गए, जिन पर चुनाव आयोग कार्रवाई कर रहा है। वहीं शाम 6 बजे तक चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि पांचवें चरण में 693 प्रत्याशी मैदान में थे, जिनमें से 90 महिला प्रत्याशी थे। इस चरण में 2.25 करोड़ मतदाता हैं। प्रतापगढ़ जिले के थाना कोतवाली कुंडा के पहाड़पुर बनोही में पूर्वाह्न लगभग 11 बजे समाजवादी पार्टी (सपा) के कुंडा विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी गुलशन यादव के काफिले पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया, जिससे उनके वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और उन्हें मामूली चोट आयी है।

कुंडा के पुलिस उपाधीक्षक अजीत कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सपा के प्रत्याशी गुलशन यादव भ्रमण पर निकले थे और जैसे ही वह पहाड़पुर बनोही मतदान केंद्र से आगे निकले, तभी कुछ लोगों ने उन पर हमला कर दिया, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। पांचवें चरण में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य अपने गृह जिले कौशांबी के सिराथू विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार हैं जिनके मुकाबले समाजवादी पार्टी ने अपना दल (कमेरावादी) की नेता पल्लवी पटेल को मैदान में उतारा है। इसी चरण में अयोध्या से लेकर प्रयागराज और चित्रकूट जैसे धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मतदान हुआ।

## सोमवार को होगा मणिपुर में पहले चरण की 38 सीटों पर मतदान, 173 उम्मीदवारों के चुनावी भाग्य का फैसला करेंगे मतदाता

इंफाल । मणिपुर में सोमवार को विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 60 में से 38 सीटों पर मतदान होगा। इस चरण में मतदाता 15 महिलाओं सहित 173 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। चुनाव अधिकारी ने कहा कि सभी 38 विधानसभा क्षेत्रों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों की टुकड़ी तैनात की गई है। 9,895 मतदानकर्मी निर्धारित 1,721 मतदान केंद्रों पर पहुंच चुके हैं।

पहले चरण में 6,29,276 महिला मतदाता सहित 12,22,713 मतदाता 173 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे, जिनमें 15 महिलाएं शामिल हैं। इस चरण में मुख्यमंत्री और भाजपा उम्मीदवार एन बीरेन सिंह, उनके कैबिनेट सहयोगी थोंगम विश्वजीत सिंह, एनपीपी प्रत्याशी व उपमुख्यमंत्री युमनाम जायकुमार सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता थोकचोम सत्यब्रत सिंह, कांग्रेस के रतनकुमार सिंह और लोकेश्वर सिंह की प्रतिष्ठा दांव पर हैं।

मणिपुर में क्षेत्रीगांव विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे जनता दल (यूनाइटेड) के उम्मीदवार वहंगबाम रोजित सिंह को शनिवार देर रात दो अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने गोली मार दी। पुलिस ने रविवार को बताया कि रोजित को उस वक्त गोली मारी गई जब वह अपनी पार्टी के लोगों के साथ चुनाव संबंधी गतिविधियों के बाद घर लौट रहे थे। गोली लगने के बाद उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

सुरक्षा बलों ने अज्ञात अपराधियों को पकड़ने के लिए इंफाल पूर्वी जिले में एक तलाशी अभियान शुरू किया है। वहीं, एक अन्य घटना में शनिवार रात चुरचांदपुर जिले के गंगपीमुअल गांव में एक घर में हुए बम विस्फोट में एक बच्चे समेत दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। दोनों घटनाएं पांच जिलों में मतदान के 48 घंटे से भी कम समय में हुईं ।

## भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का ट्विटर अकाउंट हैक

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का रविवार को ट्विटर अकाउंट हो गया। हैकर ने अकाउंट हैक करने बाद सॉरी भी लिखा। हालांकि अब उनका ट्विटर अकाउंट बहाल हो गया है। जेपी नड्डा की ओर से कहा गया है कि हम सही कारण का पता लगाने के लिए ट्विटर से बात कर रहे हैं। इससे पहले जेपी नड्डा की ओर से यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर ट्वीट किया गया था।

सुबह किए गए ट्वीट में जेपी नड्डा ने लिखा आज उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पांचवें चरण की सभी 61 सीटों के मतदाताओं से मेरी अपील है कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें तथा राज्य में एक सशक्त सरकार बनाने में अपनी भागीदारी निभाएं। पहली बार वोट कर रहे मतदाताओं से आग्रह है कि वे लोकतंत्र को मज़बूत करने के लिए आगे आएं।

## भारत से चुराई गईं मूर्तियां अब आ रहीं वापस : पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। फरवरी के अंतिम रविवार को प्रधानमंत्री मोदी ने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के जरिए लोगों को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने देश की धरोहरों की बात की। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस महीने भारत इटली से अपनी बहुमूल्य धरोहर लाने में सफल हुआ है। उन्होंने कहा कि अथक प्रयास से अवलोकितेश्वर पद्मपाणि कि करीब हजार साल पुरानी प्रतिमा इटली से वापस लाई गई है। कुछ साल पहले यह बिहार के गया से चोरी हो गई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तमिलुनाडु से आंजनेय्यर हनुमान जी की प्रतिमा चोरी हो गई थी। यह करीब 600-700 साल पुरानी प्रतिमा है। इस महीने की शुरुआत में यह हमें ऑस्ट्रेलिया से मिली है। पीएम ने कहा कि यह हमारा कर्त्तव्य है कि हमारी जो भी धरोहर विदेश चली गई है, उसे वापस लाया जाए। इसका सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दायित्व होता है। पीएम मोदी ने कहा कि साल 2019 में हिंदी दुनिया में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा में तीसरे स्थान पर थी। इस बात को लेकर हर भारतीय को गर्व होना चाहिए। भाषा न केवल अभिव्यक्ति का माध्यम है बल्कि समाज और संकृति को भी सहेजती है। मोदी ने एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि एक बार वह अमेरिका गए थे और एक तेलुगु परिवार में गए थे। वहां एक नियम था कि डिनर टेबल पर परिवार के सभी लोग तेलुगु में ही बात करेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि कई देश धरोहर वापस करने में मदद कर रहे हैं। भारत को अमेरिका, ब्रिटेन, हॉलैंड, जर्मनी, सिंगापुर, कनाडा जैसे देशों से पूरी सहायता मिल रही है। इरी के दम पर सात साल में 200 से ज्यादा प्रतिमाओं को वापस लाया जा चुका है। पीएम मोदी ने कहा कि इन मूर्तियों से भारत के लोगों की आस्था भी जुड़ी हुई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय संगीत का जिक्र करते हुए कहा कि जब देश आजादी का 75वां साल मना रहा है तो देशभक्ति के गीतों को लेकर प्रयोग किए जा सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि युवाओं को देशभक्ति गीतों को पॉपुलर बनाने का काम करना चाहिए। पीएम मोदी ने भारतीय गीतों पर लिप सिंक कर वीडियो बनाने वाले तंजानिया के किली और नीमा का भी जिक्र किया।

## यूक्रेन से एयर इंडिया की दूसरी फ्लाइट पहुंची दिल्ली

-केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने फूलों से किया स्वागत

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूक्रेन पर रूसी हमले के चलते वहां फंसे भारतीय छात्रों को लेकर एयर इंडिया की दूसरी फ्लाइट स्वदेश लौट आई है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार को उन 250 भारतीय नागरिकों का गर्मजोशी से स्वागत किया, जो यूक्रेन से स्वदेश लौटे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट से एयर इंडिया की दूसरी निकासी उड़ान रविवार तड़के दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरी। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ट्विटर पर लिखा कि, घर वापसी की खुशी! दिल्ली हवाईअड्डे पर एयर इंडिया की फ्लाइट से 250 भारतीयों को यूक्रेन से सुरक्षित वापस लौटते देखकर राहत और खुशी हुई।

मालूम हो कि, भारत ने शनिवार को यूक्रेन में रूसी सैन्य हमले के बीच अपने फंसे हुए नागरिकों को निकालना शुरू किया, पहली निकासी उड़ान के साथ शाम को बुखारेस्ट से 219 लोगों को मुंबई लाया गया। सरकारी अधिकारियों ने कहा कि 250 भारतीय नागरिकों को लेकर दूसरी निकासी उड़ान रविवार सुबह करीब 2:45 बजे दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरी। इस बीच सिंधिया और विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन को यूक्रेन से आने पर भारतीय नागरिकों का फूलों से स्वागत किया।

एयर इंडिया की तीसरी निकासी उड़ान, जो हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट से रवाना होगी, रविवार को दिल्ली लौटने वाली है। एयर इंडिया ने ट्विटर पर सिंधिया की हवाई अड्डे की तस्वीरें भी शेयर की है। शुक्रवार को, विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा था कि लगभग 16,000 भारतीय यूक्रेन में फंसे हुए है। रूसी सैन्य आक्रमण के कारण यूक्रेन के हवाई क्षेत्र को 24 फरवरी की सुबह से नागरिक विमान संचालन के लिए बंद कर दिया गया है जिसके कारण भारतीय निकासी उड़ानें बुखारेस्ट और बुडापेस्ट से बाहर चल रही हैं।

अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेन-रोमानिया सीमा और यूक्रेन-हंगरी सीमा पर पहुंचने वाले भारतीय नागरिकों को भारत सरकार के अधिकारियों की सहायता से सड़क मार्ग से बुखारेस्ट और बुडापेस्ट ले जाया गया, ताकि उन्हें एयर इंडिया की उड़ानों से निकाला जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार बचाए गए नागरिकों से निकासी उड़ानों के लिए शुल्क नहीं ले रही है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की से बात की और यूक्रेन में मौजूद छात्रों सहित भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए भारत की गहरी चिंता से अवगत कराया।

## रूस-यूक्रेन संकट के बीच उत्तर कोरिया ने दागी बैलिस्टिक मिसाइल

नई दिल्ली (ईएमएस)। उत्तर कोरिया ने करीब एक महीने के विराम के बाद रविवार को समुद्र में फिर बैलिस्टिक मिसाइल दागी। यूक्रेन पर रूस की ओर से किए गए हमले के बीच यह मिसाइल दागी गई है। यह इस साल उत्तर कोरिया का हथियारों का आठवां और 30 जनवरी के बाद से पहला परीक्षण है। नॉर्थ कोरिया के पड़ोसी देशों ने मिसाइल दागने की जानकारी दी है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया अपनी हथियार प्रौद्योगिकी में सुधार लाने की कोशिश कर रहा है और अमेरिका पर लंबे समय से बाधित वार्ता के बीच प्रतिबंधों से छूट देने का दबाव बना रहा है। एक्सपर्ट्स ने कहा कि उत्तर कोरिया वाशिंगटन पर दबाव बढ़ाने के लिए अमेरिका के यूक्रेन संघर्ष में व्यस्त होने का इस्तेमाल अपनी परीक्षण की गतिविध को तेज करने में कर सकता है। इस बीच जापान के रक्षा मंत्री नोबुओ किशी ने बताया कि उत्तर कोरियाई मिसाइल ने पूर्वी तट और जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर गिरने से पहले करीब 600 किलोमीटर की अत्यधिक ऊंचाई पर तकरीबन 300 किलोमीटर तक उड़ान भरी। उन्होंने बताया कि जहाजों या विमानों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने भी उत्तर कोरिया की राजधानी के क्षेत्र से मिसाइल परीक्षण का पता लगाया है और उन्होंने इस पर ''गहरी चिंता तथा खेद'' व्यक्त किया। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की एक आपात बैठक के दौरान दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बीच इस परीक्षण के समय को ''दुनिया और कोरियाई प्रायद्वीप पर शांति तथा स्थिरता के लिए अवांछित'' बताया।

## केंद्र का बड़ा फैसला

-मनरेगा लोकपाल नियुक्त न करने वाले राज्यों नहीं मिलेगी राशि

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार अगले वित्त वर्ष से रोजगार गारंटी योजना मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) के लिए उन राज्यों को राशि जारी नहीं करेगी जिन्होंने अपने ऐसे 80 फीसदी जिलों में लोकपाल की नियुक्ति नहीं की है, जहां योजना लागू है। यह जानकारी रविवार को एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने दी।

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से उपलब्ध जानकारी के अनुसार भाजपा शासित गुजरात, अरुणाचल प्रदेश व गोवा, तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) की सरकार वाले तेलंगाना और पुडुचेरी, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दादरा एवं नगर हवेली जैसे केंद्र शासित प्रदेशों ने एक भी लोकपाल नियुक्त नहीं किया है।

राजस्थान, पंजाब, बंगाल आदि में भी नियुक्ति कम

इसी तरह कांग्रेस शासित राजस्थान जैसे अन्य जिले भी हैं जहां बहुत कम जिलों में लोकपाल की नियुक्ति की गई है। राजस्थान में 33 जिलों में से केवल चार में योजना के तहत लोकपाल को नियुक्त किया गया है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) शासित पश्चिम बंगाल में इस योजना के तहत 23 में से केवल चार जिलों में लोकपाल नियुक्त हैं। हरियाणा और पंजाब में भी स्थिति ऐसी ही है। दोनों राज्यों में 22-22 जिले योजना के तहत आते हैं लेकिन हरियाणा में केवल चार और पंजाब में ऐसे सात जिलों में लोकपाल की नियुक्ति की गई है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव नागेंद्र नाथ सिन्हा ने कहा कि आदर्श तौर पर राज्यों को सभी जिलों में लोकपाल नियुक्त करने चाहिए।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी जताई थी नाराजगी

उन्होंने कहा कि जिन राज्यों ने मनरेगा के तहत आने वाले कुल जिलों में से कम से कम 80 फीसदी में लोकपालों की नियुक्ति नहीं की है उन्हें अगले वित्त वर्ष के इस योजना को लागू करने के लिए राशि आवंटित नहीं की जाएगी। इससे पहले गुरुवार को केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह ने भी इस पर नाराजगी जताई थी। गिरिराज सिंह ने मनरेगा के लिए लोकपाल एप का उद्घाटन करते हुए कहा था कि यह देखने को मिला है कि कई स्थानों पर उन लोगों को लोकपाल के पद पर नियुक्त किया गया है जो किसी राजनीतिक दल से जुड़े हुए हैं। जो राज्य प्रावधानों के तहत नियुक्ति नहीं कर रहे हैं उन्हें अगले वित्त वर्ष से राशि जारी नहीं की जाएगी।

## त्रिपुरा में भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ता आपस में भिड़े, चले लात घूंसे

-अगरतला में धारा 144 लगी

अगरतला (ईएमएस)। पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी पार्टी कांग्रेस के कार्यकर्त्ता शनिवार को आपस में भिड़ गए। इस घटना के बाद त्रिपुरा प्रशासन ने अगरतला के कुछ हिस्सों में धारा 144 के तहत प्रतिबंध लगा दिया है। झड़प की घटना के बाद मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब के विधानसभा क्षेत्र बनमालीपुर में भारी सुरक्षा देखी गई है। झड़प में कांग्रेस नेता सुदीप रॉय बर्मन सहित कई पार्टी कार्यकर्ता घायल हुए हैं।

बर्मन हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए थे, उन्होंने घटना के बाद खुद के घायल होने पर गुस्सा जताया। झड़प में भाजपा का एक स्थानीय पार्टी कार्यालय भी मामूली रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। भाजपा के पूर्व मंत्री और विधायक सुदीप रॉय बर्मन ने झड़प में चोटिल होने पर पुलिस पर निष्क्रियता का आरोप लगाया। हालांकि किसी भी पक्ष ने कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'हमने यह पता लगाने के लिए अपनी जांच शुरू कर दी है कि झड़प कैसे शुरू हुई और इसके लिए जिम्मेदार लोग कौन हैं। हमें अब तक कोई शिकायत नहीं मिली है लेकिन फिर भी हम अपने स्तर पर जांच कर रहे हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचने के लिए रात भर सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। राज्य प्रशासन ने अगरतला के कुछ स्थानों पर प्रतिबंध लगा दिया जिससे इन क्षेत्रों में पांच या अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया। प्रतिबंध रात 10:30 बजे से सुबह 5 बजे तक लगाए गए थे।

## यूपी को दंगामुक्त-गुंडामुक्त बनाए रखने और विकास के लिए, लोगों का भरपूर आशीर्वाद हमें मिल रहा : मोदी

बस्ती (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश में आज पांचवे चरण के चुनाव के लिए मतदान के बीच बचे दो चरणों के प्रचार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बस्ती पहुंचे थे जहां उन्होंने एक विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित किया। बस्ती में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बालाकोट एयर स्ट्राइक को याद करते हुए अखिलेश यादव और उनकी पार्टी पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। मोदी ने कहा कि आज 5वें चरण का मतदान हो रहा है। आज का मतदान यूपी में भाजपा-एनडीए की प्रचंड बहुमत वाली सरकार पर एक और ठप्पा लगाने वाला है। यूपी को दंगामुक्त बनाए रखने के लिए, यूपी को गुंडामुक्त बनाए रखने के लिए, यूपी के विकास के लिए, लोगों का भरपूर आशीर्वाद हमें मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आज चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर देश अपने सपूत को याद कर रहा है। कल बालाकोट एयर स्ट्राइक के तीन साल पूरे होने पर देश ने अपने वायुसेना के पराक्रम को भी याद किया। हमारे शूरवीरों ने देश को चुनौती देने वालों को उनके घर में ही घुसकर मारा था।

इसके साथ ही विपक्ष पर हमला करते हुए मोदी ने कहा कि भारत का ये पराक्रम, दिल्ली और यूपी में बैठे कुछ घोर परिवारवादियों को पसंद नहीं आता। ये लोग आज भी हमारी सेनाओं से सबूत मांगते हैं, उनके सामर्थ्य पर विश्वास नहीं करते। इसलिए ऐसे लोगों से यूपी की जनता को बहुत सतर्क रहना है। मोदी ने कहा कि जो लोग देश की सेनाओं की जरूरत को हमेशा नजरअंदाज करते रहे, वो परिवारवादी देश को मजबूत नहीं कर सकते। जिन लोगों का दिल, देश में बम धमाके करने वाले आतंकियों के लिए धड़कता है, वो कभी देश को सशक्त नहीं बनाएंगे। उन्होंने कहा कि देश तभी ताकतवर होगा, जब देश के राज्य ताकतवर होंगे, जब उत्तर प्रदेश ताकतवर होगा। लेकिन घोर परिवारवादियों का तो एक ही फॉर्मूला है- पैसा परिवार की तिजोरी में, कानून जेब में और जनता इनके पैरों पर। कबीर जी घोर परिवारवादियों के लिए बहुत पहले कह गए थे। दुर्बल को न सताइए, जाकी मोटी हाय। गरीब की इसी हाय ने 2014 में इन्हें झटक दिया, 2017 में पटक दिया, 2019 में साफ कर दिया। अब 2022 में तो इन्हें अपनी ही सीट बचाने के लाले पड़ गए हैं।

मोदी ने कहा कि पहले ये लोग गन्ने से सिर्फ चीनी बनवाते रहे और नीतियां ऐसी बनाईं कि चीनी मिलें और गन्ना किसानों, दोनों को सरकार की दया पर जीने के लिए मजबूर कर दिया। हमारी सरकार गन्ना किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए इथेनॉल प्लांट का बहुत बड़ा नेटवर्क तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि कमीशन के लिए जीने वाले परिवारवादी किसानहित और राष्ट्रहित के कदम नहीं उठा सकते। ये किसी जाति के नहीं होते, ये किसी समाज के नहीं होते। इनके लिए अपना स्वार्थ सबसे बड़ा है। इसके साथ ही मोदी ने समाजवादी पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि कहा कि 2017 में जिन्हें साथ लेकर घूमते थे, 2019 में उनका साथ छोड़कर दूसरों का साथ ले लिया। फिर उनका साथ छोड़ दिया, 2022 में नए साथी लेकर आ गए। जो अपने साथियों को छोड़ देते हैं, वो आपका साथ देंगे क्या?

## पोलैंड-हंगरी से लगी यूक्रेन सीमा पर -7 डिग्री में हजारों भारतीय छात्र फंसे, सैनिकों ने नहीं दी निकलने की अनुमति

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन से दो फ्लाइटें भारत आ चुकी हैं, जबकि तीसरी रवाना हो गई है। अब भी यूक्रेन में बड़ी संख्या में भारतीय छात्र और अन्य लोग फंसे हुए हैं। भारत ने वहां फंसे अपने नागरिकों को निकालने के लिए शनिवार को अभियान शुरू किया है। पहली निकासी उड़ान एआई1944 से बुखारेस्ट से 219 लोगों को मुंबई लाया गया। एअर इंडिया की दूसरी निकासी उड़ान यूक्रेन में फंसे 250 भारतीय नागरिकों को लेकर रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट से रविवार तड़के दिल्ली हवाईअड्डे पर पहुंची।

इस बीच बुडापेस्ट (हंगरी) से 240 भारतीय नागरिकों को लेकर ऑपरेशन गंगा के तहत तीसरी उड़ान दिल्ली के लिए रवाना हुई है। यूक्रेन की पोलैंड और हंगरी से लगी सीमा पर अभी भी सैकड़ों भारतीय फंसे हुए हैं। एक भारतीय छात्र ने बताया कि यहां तापमान-7 डिग्री के करीब है। मुझे नहीं पता कि क्या करना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, युद्ध के बीच यूक्रेन में कई भारतीयों के पास शेल्टर, भोजन और पैसे नहीं हैं। उनके मोबाइल फोन भी बंद होने के कगार पर हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेन के गॉर्ड्स भारतीयों को चेक प्वॉइंट पार करने की इजाजत नहीं दे रहे हैं। गार्ड्स की ओर से छात्रों से बॉर्डर पार कराने के लिए घूस मांगने की शिकायतें भी आई हैं। शुभम नाम के एक छात्र ने कहा कि हम बॉर्डर पर फंसे हुए हैं। हम बंदूक की नोक पर हैं। हमें यहां वीडियो बनाने के लिए मना किया गया है। एक अन्य छात्र ने कहा कि एंबेसी की ओर से जो एडवाइजरी जारी की गई उसको फॉलो करते हुए हम सभी पोलैंड बॉर्डर पर पहुंचे हैं। यहां हमें रोक लिया गया है।

यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने कहा कि उन भारतीयों को निकालना मुश्किल हो रहा है, जो बिना सूचना दिए सीमा जांच चौकियों पर पहुंच गए हैं। भारतीय दूतावास ने कहा कि कफ पश्चिमी यूक्रेन के शहरों में रह रहे लोग अपेक्षाकृत सुरक्षित माहौल में है और उनके पास बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। उसने कहा कृपया ध्यान दें कि पानी, भोजन, आवास और बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच के साथ यूक्रेन के पश्चिमी शहरों में रहना स्थिति से पूरी तरह अवगत हुए बिना सीमा जांच चौकियों पर पहुंचने के मुकाबले अधिक सुरक्षित है।

### कार्टून कोना

## रोमानिया बार्डर पर भारतीय छात्राओं पर डाला पेपर स्प्रे, भगदड़ में कई घायल

मेरठ । रूस के हमले से यूक्रेन में पढ़ाई कर रहे भारतीय छात्रों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वे काफी मशक्कत के बाद रोमानिया बार्डर के पास पहुंचे, लेकिन यहां उन्हें अलग तरह की समस्या का सामना करना पड़ा।

छात्रा तमन्ना की मां रीना त्यागी ने बताया कि रोमानिया बार्डर पर इजरायल और अफ्रीकन लड़कों ने भारतीय छात्राओं पर पेपर स्प्रे (काली मिर्च का स्प्रे) डाल दिया। इससे मची भगदड़ में खरखौदा क्षेत्र के पांची निवासी तमन्ना को हल्की चोट आई। वहीं, उसकी चंडीगढ़ निवासी मित्र संजना पांडे गंभीर रूप से घायल हो गई। मामले को बिगड़ता देख वहां तैनात सुरक्षा कर्मियों ने आंसू गैस के गोले छोड़कर स्थिति को संभाला। तमन्ना की मां रीना त्यागी ने बताया कि तमन्ना का नाम भारत लौटने वाले छात्रों की लिस्ट में है। रविवार रात करीब बारह बजे वह फ्लाइट में बैठकर सोमवार सुबह सात बजे दिल्ली पहुंचेगी। तमन्ना ने मां रीना त्यागी को बताया कि कड़ी मशक्कत के बाद वह रोमानिया बार्डर के पास पहुंची है। कड़ाके की ठंड में बर्फबारी के बीच करीब 30 किलोमीटर का पैदल सफर तय करके वह बार्डर तक पहुंची।

मुंडाली थाना क्षेत्र के लोटी निवासी वसीम और अब्दुल्ला शनिवार सुबह से लेकर शाम तक पोलैंड बॉर्डर पर प्रवेश की आस में ठंड में इंतजार करते रहे। कोई व्यवस्था नहीं होने पर शाम को वह यूक्रेन के शहर लबीब में वापस अपने फ्लैट में पहुंच गए। उन्होंने बताया कि एटीएम खाली हो गये हैं। वे अपने फ्लैट में युद्ध विराम होने की दुआ कर रहे हैं।

किठौर निवासी आसिफ चौधरी ने बताया कि उसका बेटा अमन चौधरी खारकीव विश्वविद्यालय के बेसमेंट में करीब 500 दोस्तों के साथ भयभीत माहौल में है। उनके पास बम धमाके हो रहे हैं, फायरिंग की जा रही है। रूसी सेना ने गैस की पाइप लाइन काट दी है। उन्हें दिन में एक बार भोजन मिल रहा है। उन्होंने बम धमाकों के बीच राज गुजारी है।

## यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को शीघ्र निकालने की व्यवस्था करे सरकार : राहुल गांधी

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूक्रेन पर रूस के हमले से पैदा हुए संकट के चलते वहां फंसे भारतीय छात्रों को स्वदेश लाने की अपील कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से की है। राहुल गांधी ने कर्नाटक के कुछ भारतीय छात्रों का एक वीडियो साझा किया, जो यूक्रेन में एक बंकर में फंसे हुए हैं। यूक्रेन पर रूस की सेना ने गुरुवार को हमला कर दिया और आज तीसरे दिन भी वह आगे बढ़ रही है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गांधी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर यूक्रेन में फंसे हजारों भारतीयों को वापस लाने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह भी किया है। गांधी ने यूक्रेन में फंसी दो भारतीय छात्राओं का एक वीडियो साझा करते हुए ट्वीट किया, 'बंकर में मौजूद भारतीय छात्रों का यह दृश्य परेशान करने वाला है। बहुत सारे छात्र पूर्वी यूक्रेन में फंसे हुए हैं जहां भीषण हमला हो रहा है। मैं उनके चिंतित परिजन के साथ हूं। मैं एक बार फिर भारत सरकार से उन्हें तत्काल निकालने की अपील करता हूं।' कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह भी कहा कि यूक्रेन में स्थिति ऐसी है कि छात्र कड़ाके की ठंड में अपनी जान बचाने की कोशिश कर रहे हैं और दूतावासों तथा मिशनों के बाहर लंबी कतारें हैं जो कथित तौर पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रही हैं।

उन्होंने कहा, 'भारतीय नागरिक और छात्र बिना किसी मदद और मार्गदर्शन के असहाय हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास इस समस्या से तुरंत निपटने की कोई रूपरेखा नहीं है।'

सुरजेवाला ने एक बयान में कहा, 'कांग्रेस पार्टी प्रधानमंत्री से मांग करती है कि वह रूस और यूक्रेन की सरकारों से बात करके मुश्किल परिस्थितियों में फंसे भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए तुरंत हर संभव प्रयास करें।' गांधी द्वारा साझा किए गए वीडियो में, बेंगलुरु की एक छात्रा मेघना ने कहा कि कई लोग हैं जो भारत में विभिन्न स्थानों से यूक्रेन आए हैं।

उन्होंने अंधेरे बंकर से एक वीडियो संदेश में कहा, 'हमें भारत सरकार से मदद की ज़रूरत है। हम किसी को, या किसी उच्च अधिकारी या भारत सरकार को हमारी मदद के लिए कदम उठाते हुए नहीं देख रहे हैं।

जन हितैषी

# यूक्रेन अलग-थलग

यूरोप में छिड़ी जंग में यूक्रेन अकेला छूट गया है। उसे रूस के गुस्से का शिकार होना पड़ रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि, अमेरिकी समर्थन वाला यूक्रेन इस जंग में इतना अलग-थलग क्यों पड़ गया? आखिर, नाटो सदस्य देश और अमेरिका सीधे तौर पर रूस से टकराने से क्यों पीछे हट रहे हैं। सीधे हमले के बजाय वे बस बयानबाजी और प्रतिबंधों तक क्यों सीमित हैं? रूस के राष्ट्रपति पुतिन से टकराना किसी भी देश के लिए आसान नहीं है। यह बात अमेरिका भी जानता है। यही कारण है कि अमेरिका ने सीधे तौर पर कहा दिया कि वह अपनी सेना यूक्रेन में नहीं भेजेंगे। ऐसा ही संदेश नाटो की ओर से भी दिया गया है। मतलब है कि, यूक्रेन को यह जंग अकेले ही लडऩी पड़ेगी। रूस जब यूक्रेन पर हमले की तैयारी कर रहा था। सीमाओं पर सैनिक तैनात किए जा रहे थे, तब अमेरिका सबसे ज्यादा उग्र था। बाइडेन ने यहां तक कह दिया था कि अगर यूक्रेन पर हमला हुआ तो नाटो सदस्य देश मिलकर रूस पर हमला करेंगे और इसके अंजाम बहुत बुरे होंगे, लेकिन रूस इन धमकियों से पीछे नहीं हटा और उसने यूक्रेन पर सैन्य अभियान शुरू कर दिया। इसके बाद से अब तक न ही अमेरिका और न ही नाटो का कोई सदस्य देश रूस से सीधे टकराने के लिए आगे आया है। रूस पर सीधे हमले से यूरोपीय देश पीछे हट रहे हैं। प्रमुख कारण है, इन देशों की रूस पर निर्भरता। दरअसल, यूरोपीय देश ऊर्जा के लिए बहुत हद तक रूस पर निर्भर हैं। यूरोपीय संघ के कई देश, जो नाटो सदस्य भी हैं अपनी प्राकृतिक गैस आपूर्ति का 40 फीसदी हिस्सा रूस से प्राप्त करते हैं। ऐसे में अगर रूस गैस और कच्चे तेल की सप्लाई रोक देता है, तो यूरोप बड़े ऊर्जा संकट की कगार पर खड़ा हो जाएगा। बिजली व पेट्रोलियम उत्पादों पर महंगाई कमर तोड़ सकती है। यह बात सभी देश जानते हैं। इसलिए यूरोपीय देश सीधे तौर पर रूस से टकराने से हिचक रहे हैं। अमेरिका व अन्य कई देशों द्वारा रूस पर प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। इसके बावजूद रूस रुकने के लिए तैयार नहीं है। दरअसल, रूस ने अपनी ताकत को इस कदर बढ़ाया है कि, यह देश किसी भी तरह के प्रतिबंध से बहुत प्रभावित होने वाला नहीं है। अमेरिका व नाटो देशों द्वारा सीधे हमला न करने का एक कारण यह भी है। दरअसल, जनवरी में रूस का अंतरराष्ट्रीय मुद्रा भंडार 630 अरब डॉलर था। इससे भी दिलचस्प बात यह है कि इसमें से महज 16 फीसदी हिस्सा ही डॉलर के तौर पर रखा है। जबकि, पांच वर्ष पहले यह 40 फीसदी था।चीन एशिया के सबसे शक्तिशाली देशों में से एक है। पिछले कुछ सालों में रूस और चीन के बीच करीबी बढ़ी है। यह बात भी अमेरिका जानता है। वहीं अमेरिका पहले से चीन से दुश्मनी मोल ले चुका है। ऐसे में अगर रूस पर सीधे हमला होता है, तो चीन का साथ उसे जरूर मिलेगा। इसलिए, शक्तिशाली देशों के बीच टकराव हर किसी के लिए नुकसानदेह होगा। रूस परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र है। इसके अलावा उसके पास हथियारों को बड़ा जखीरा है। दुनिया की सबसे बड़ी सेनाओं में से एक रूस के पास है। वहीं अपनी मिसाइल टेक्नोलॉजी से रूस किसी को भी धूल चटाने की ताकत रखता है। पुतिन पहले ही यह कह चुके हैं कि यूक्रेन मसले में किसी ने भी दखल दी तो वह इतिहास का सबसे बुरा अंजाम देखेगा। इसलिए अमेरिका व नाटो सदस्य राष्ट्र जानते हैं कि पुतिन से सीधे टकराने का मतलब भारी तबाही होगी। अमेरिका कुछ भी कहे, लेकिन रूस से टकराने की स्थिति में कोई भी यूरोपीय देश नहीं है। ऐसे में लड़ाई लंबी नहीं खिंच सकती। ये देश रूस को भड़काना नहीं चाहेंगे और यूक्रेन पर रूसी हमले का 'मुंहतोड़ जवाबळ शायद ही सामने आए। लड़ाई तब तक विश्वयुद्ध का रूप नहीं लेगी, जब तक अमेरिका या नाटो खुलकर शामिल नहीं होते। अमेरिका और नाटो दोनों ने अभी यूक्रेन में सेना नहीं भेजने की बात कही है। 21वीं सदी के सभी युद्ध अमेरिका और उसके साथी देशों ने मिलकर लड़े हैं। जंग करने और दूसरे देशों पर सैन्य इच्छा थोपने वाले देश ही बड़ी ताकतें माने जाते रहे। ऐसे में रूस ने इस हमले से खुद को असल महाशक्ति बताने की कोशिश की है। रूस की सैन्य शक्ति और चीन की आर्थिक शक्ति का गठबंधन इन्हें साझा महाशक्ति का दर्जा दे रहा है। संभवतः इसीलिए चीन के 12 विमान गुरुवार को ताइवान की सीमा में घुसे, क्योंकि ताइवान के पीछे भी अमेरिका खड़ा है। इस समय भारत पर बड़ा कूटनीतिक दबाव है। इसका नाजायज फायदा चीन और पाकिस्तान को मिलेगा। यूक्रेन पर सैन्य कार्रवाई की पृष्ठभूमि में रूस ज्यादा समर्थन हासिल करने का इच्छुक है। इस तरह रूस अब चीन के पाले में मजबूती से खड़ा दिखेगा। यह स्थिति भारत के लिए अच्छी नहीं है। तेल की कीमत आसमान छुएगी। इससे कई उद्योग प्रभावित होंगे। इस महंगाई का असर रूस पर ही नहीं, अमेरिका व यूरोप में भी होगा। रूस की गैस और तेल पाइप लाइन यक्रेन से लेकर जर्मनी और अन्य यूरोपीय देशों तक जाती हैं। मौजूदा हालात में यह कारोबार संकट में है। इसका असर भी जंग की कीमत बढ़ाएगा। जर्मनी ने नॉर्ड स्ट्रीम की मंजूरी रोक दी है। करीब 1200 किलोमीटर की यह पाइप लाइन बाल्टिक सागर के होकर जानी थी। इससे जर्मनी को रूसी गैस की सप्लाई का प्रस्ताव था। रूस ने साफ तौर से कहा है कि वह यूक्रेन से नाजीवाद को हटाने के लिए सैन्य कार्रवाई कर रहा है। साफ है कि निशाने पर जर्मनी भी है। पाइप लाइन पर 5 अरब डॉलर का खर्च आ चुका था और यह लगभग तैयार थी। इससे यूरोपीय संघ को गैस की आपूर्ति होनी थी। पिछले तीन दशकों में मध्य व पूर्वी यूरोप की राजनीतिक स्थिति में बड़े बदलाव हुए हैं। इससे सामरिक प्रतिद्वंद्विता भी तेजी से बढ़ी है। इस क्षेत्र में दुनिया की बड़ी शक्तियों के बीच भू-राजनीतिक मुकाबला चरम पर है। यूक्रेन पश्चिमी देशों के साथ अपने रिश्तों को मजबूत करने की लगातार कोशिश कर रहा है। 1991 में सोवियत संघ के बिखराव के बाद यूक्रेन एक स्वतंत्र देश के रूप में उभरा था। उसका भौगोलिक जुड़ाव यूरोप से है। इसे एक शक्तिशाली देश माना जाता है। इसका एक कारण यह भी है कि अविभाजित सोवियत संघ के अधिकांश परमाणु केंद्र यूक्रेन में ही थे।

# यूक्रेन: भारत की भावी भूमिका

मैंने कल लिखा था कि यूक्रेन में रूस अपनी कठपुतली सरकार जब तक नहीं बिठा लेगा, वह चैन से नहीं बैठेगा। यूक्रेन के नेता कितनी ही बहादुरी के बयान झाड़ते रहें, उनकी हालत खस्ता हो चुकी है। सैकड़ों लोग मर चुके हैं, कई भवन ध्वस्त हो गए हैं और राजधानी कीव पर भी रूसी कब्जा बढ़ता चला जा रहा है। सुरक्षा परिषद में रूसी वीटो ने संयुक्तराष्ट्र संघ को नाकारा बना दिया है। बड़ी-बड़ी डींग मारनेवाले नाटो राष्ट्रों और अमेरिका ने यूक्रेन की रक्षा के लिए अभी तक अपना एक भी सैनिक नहीं भेजा है। रूसी नेता पूतिन को पता है कि नाटो राष्ट्रों के भरोसे खम ठोकनेवाले यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदोमीर झेलेंस्की का मनोबल गिर चुका है। उन्हें इस बात का अंदाज है कि यह युद्ध लंबा खिंच गया तो यूक्रेन 30-40 साल पीछे चला जाएगा और हजारों लोग मारे जाएंगे। स्वयं झेलेंस्की और उनके मंत्रियों का जिंदा रहना भी मुश्किल हो जाएगा। इसीलिए पूतिन का बातचीत का निमंत्रण तो झेलेंस्की ने स्वीकार कर लिया है लेकिन वे यह शांति-वार्ता बेलारुस में नहीं करना चाहते हैं। उनका आरोप है कि रूसी हमले में बेलारुस की भूमिका सबसे ज्यादा घृणित रही है। उन्होंने ऐसे कई देशों के वैकल्पिक नाम सुझाएं हैं, जो सोवियत संघ के वारसा पेक्ट के सदस्य भी रहे हैं और पड़ौसी यूरोपीय देश भी हैं। मुझे लगता है कि पूतिन मान जाएंगे। यदि वे मान गए तो यूरोप को ही नहीं, सारी दुनिया की अर्थव्यवस्था को गड्ढ़े में गिरने से वे बचा लेंगे। यदि यह युद्ध एक हफ्ते भी चलता रहा तो यूक्रेन और रूस तो आत्मघात का मार्ग अपने लिए खोल ही लेंगे, नाटो राष्ट्रों की भी बधिया बैठने लगेगी। यूरोप की संकटग्रस्त अर्थ-व्यवस्था से भारत जैसे राष्ट्रों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। एशिया, अफ्रीका और लातीनी अमेरिका के कई राष्ट्र भी रूस की तरह डंडे के जोर पर अपने पड़ौसियों से निपटने के लिए प्रेरित होंगे। शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद राष्ट्रों के सैन्य-खर्च में जो कटौती हुई थी, वह अब दुगुने जोश के साथ बढ़ सकती है। अन्तरराष्ट्रीय राजनीति के वर्तमान समीकरणों को भी यूक्रेन का युद्ध नई दिशा में ठेल रहा है। अब रूस और चीन मिलकर विश्व राजनीति पर अपना वर्चस्व जमाने की पूरी कोशिश करेंगे। अब शायद भारत को नेहरु, नासिर और नक्रूमा की गुट-निरपेक्षता को फिर से जिंदा करने की जरुरत पड़ सकती है। यह केवल संयोग नहीं है कि अमेरिका के बाइडन, रूस के पूतिन और यूक्रेन के झेलेंस्की ने भी मोदी से बात करना जरुरी समझा। (लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक / ईएमएस)

## शब्द पहेली - 7211

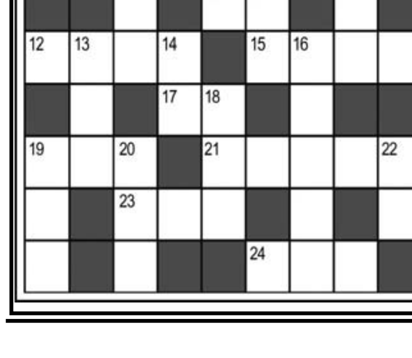

**बाएँ से दाएँ**

1. सिंह, शेर-3
6. कृषि पैदावार-3
7. कमल सरोवर-5
8. बारीक-3
10. जरा, थोड़ा-2
12. वाराणसी-4
15. टूटना, तड़कना-4
17. शराब, मदिरा-2
19. बुद्धि, मति-3
21. सेवा,, चाकरी, देखभाल-5
23. कर्म, भाग्य-3
24. यज्ञ, होम-3

**ऊपर से नीचे**

2. आक्रमणकारी-5
3. समा, माहौल-3
4. आर्द्रता, नमी-3
5. चट्टान (अंग्रेजी-2)
6. अंतर, फर्क-3
9. षष्ठीपूर्ति, 60 वर्ष पूरे होना-3
11. नशा, खुमार-2
13. नरम, मुलायम-3
14. एक जैसा, समान-2
16. सार-संभाल-2,3
18. अनाथ, बेसहारा-3
19. खालिस, शुद्ध-3
20. फालिज, पक्षाघात-3
22. क्रोध, खीज, गुस्सा-2

शब्द पहेली -7210 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

# अभी तक का सबसे बड़ा आर्थिक संकट

यूक्रेन एवं रुस के बीच चल रहे युद्ध के घातक परिणामों का, सबसे ज्यादा असर भारत में होने वाला है। भारत की आबादी 135 करोण पार कर गई है। भारत पेट्रोल एवं डीजल का सबसे ज्यादा आयात करता है। युद्ध शुरु होते ही कच्चे तेल का दाम 103 डालर प्रति बेरल की दर पर पहुंच गया है। पिछले कई महिनों से कच्चे तेल के दाम वैश्विक स्तर पर बढ़ रहे हैं। पांच राज्यों के विधान सभा चुनावों को देखते हुए पेट्रोल-डीजल की मूल्य वृद्धि करने की इजाजत केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम कम्पनियों को नहीं दी है। माना जा रहा है कि 7 मार्च के बाद सरकार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने की अनुमति कंपनियों को देगी। रुस युक्रेन के बीच चल रही लड़ाई के बाद यूरोपीय देशों ने रुस पर आर्थिक प्रतिबंध लगा दिये है। वैश्विक स्तर पर मची अफरा-तफरी के बीच कच्चे तेल के आयात में कई तरह की बाधायें उत्पन्न हो गई है। वहीं आपूर्ति बाधित होने से रोजाना दाम भी बढ़ रहे हैं। रुस से भी कच्चे तेल का आयात भारत के लिए संभव नहीं होगा। कच्चे तेल के दाम बढ़ने एवं डालर के मुकाबले रुपया की कीमत बढ़ने से भारत में महंगाई और आर्थिक संकट तेजी के साथ बढेगा। पेट्रोल और डीजल की कीमतें मार्च-अप्रैल माह में 125 से 150 रुपया प्रति लीटर होने की संभावना बताई जा रही है। कोरोना संक्रमण, 2016 की नोटबंदी तथा जीएसटी टेक्स का दायरा बढ़ने से भारत के नागरिकों की आय तेजी से घटी है। वहीं टेक्स तथा कर्ज का बोझ नागरिकों पर लगातार बढ़ता जा रहा है।

चीन के उत्पादित इलेक्ट्रानिक सामान, संचार उपकरण एवं तैयार माल से भारत का बाजार पटा पड़ा है। रुस अमेरिका एवं नाटो देशों के विवाद में चीन और भारत भले ही दूर है। किंतु इस स्थिति का सबसे बड़ा लाभ चीन को होने जा रहा है। आर्थिक संकट के बाद भी जिस तरह से भारतीय शेयर बाजार ने दुनिया भर के शेयर बाजारों की तुलना में उड़ान भरी है फुग्गे की तरह शेयर बाजार को फुलाया गया है।

वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में शेयर बाजार का गिरना तया माना जा रहा है। शेयर बाजार के गिरने का सबसे ज्यादा असर भारतीय बैंकों, वित्तीय संस्थाओं और नागरिकों को आर्थिक दिवालियापन की ओर ले जाएगा। पिछले वर्षों में बैकों ने शेयर बाजार में निवेश एवं नागरिकों ने डीमेट के जरिये बड़ी मात्रा में शेयर बाजार में निवेश किया है विदेशी निवेशक भी भारतीय शेयर बाजार से मुनाफा वसूली कर भारतीय बाजार से निकल रहे है। ऐसी स्थिति में अगला एक वर्ष भारत के लिए आर्थिक एवं सामरिक दष्टि से बहुत चुनौती वाला होगा।

इस वैश्विक स्थिति का सबसे बड़ा फायदा चीन को होने वाला है। चीन धोखा देने एवं पीछे से वार करने का कोई मौका नहीं छोड़ता है। 1962 में चीनी -हिंदी भाई-भाई का नारा देकर भारत भूमि को हड़पने का काम चीन ने किया था। पिछले वर्षों में चीन एवं भारत के बीच दोस्ती के मोदी के साथ बेहतर संबंध बनाकर चीन ने सबसे ज्यादा निर्यात भारत में बढ़ाया। पिछले एक वर्ष से भारत की सीमा पर घुसपैठ करके भारत को लगातार संकट में डालने का कार्य चीन कर रहा है। भारत सरकार आर्थिक संकट और चीन पर अत्यधिक निर्भरता होने से प्रभावी लड़ाई नहीं लड़ पा रहा है। जिसके कारण चीन सामरिक एवं आर्थिक दृष्टि से भारत की तुलना में कई गुना ज्यादा बलवान होता जा रहा है।

चीन की कूटनीति दुनिया में सबसे सफल मानी जा रही है। अमेरिका एवं रुस जैसी महाशक्तियां आपस में 2-2 हाथ करने तैयार है। चीन बड़ी शांति के साथ तमाशा देख रहा है। वर्तमान वैश्विक स्थिति में रुस एवं अमेरिका की तुलना में चीन ने पिछले एक दशक में आर्थिक एवं सामरिक दायरा बड़ी तेजी के साथ बढ़ाया है। वहीं भारत 135 करोण की आबादी एवं वैश्विक स्तर पर भारत को सबसे बड़ा बाजार मानकर दुनिया के सैकड़ों देशों में विश्व गुरु बनने का सपना देख रहा था। वह सपना बड़ी तेजी के साथ टूटता हुआ दिख रहा है। भारत को अगले वर्षों में भारतीय सीमाओं को सुरक्षित रखने के लिए खर्च बढ़ाना होगा। वहीं जर्जर अर्थव्यवस्था, बढ़ता कर्ज का बोझ, महंगाई के कारण भारत की अर्थ-व्यवस्था तेजी के साथ खराब होगी। अर्थ-विशेषज्ञों की माने तो 2024 तक भारत की अर्थव्यवस्था सबसे खराब दौर में होगी। बैंक, वित्तीय संस्थान तथा व्यापारिक संस्थान दिवालियापन के कगार पर खड़े होगे। वहीं आम जनता को भी भारी आर्थिक संकट और भुखमरी जैसी समस्याओं से जूझना पड़ सकता है। (लेखक- सनत जैन / ईएमएस)

# बजट में दिखायी गहलोत ने मिशन 2023 की झलक

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 2023 में होने वाले राज्य विधान सभा के चुनाव की तैयारी अभी से शुरू कर दी है। हाल ही में राजस्थान विधानसभा में वित्त वर्ष 2022-23 के लिए प्रस्तुत किए गए बजट में इसकी साफ झलक देखने को मिली है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बजट को इतना लोक लुभावना बनाया है कि उसकी हर कोई सराहना कर रहा है। साथ ही अपने बजट के माध्यम से गहलोत ने अपने विरोधी दलों को साफ संकेत भी दे दिया है कि 2023 में हम फिर से प्रदेश में सरकार बनाएंगे। इसलिए आप लोग 2023 के बजाय 2028 के चुनाव की तैयारी कीजिए। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट की बगावत के बाद गहलोत पर बड़ा राजनीतिक दबाव पड़ रहा था। राजनीतिक हलकों में अक्सर चर्चा होती रहती है कि अगले विधानसभा चुनाव से पूर्व गहलोत को हटाकर पायलट को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। इस बजट के माध्यम से मुख्यमंत्री गहलोत ने अपने सभी राजनीतिक विरोधियों को साफ संदेश दे दिया है कि वह अपना कार्यकाल तो पूरा करेंगे ही बल्कि अगली बार भी सरकार बनने पर वह चैथी बार मुख्यमंत्री बनने की तैयारी कर रहे हैं। लोक लुभावना बजट पेश करें मुख्यमंत्री गहलोत ने अपने विरोधियों को चारों खाने चित कर दिया है।

कुछ दिनों पहले जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम में आयोजित कांग्रेस के प्रदेश स्तरीय अधिवेशन में बोलते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा था कि 2013 का विधानसभा चुनाव हम सरकारी कर्मचारियों की नाराजगी के चलते हारे थे। आगे हम इस बात का पूरा ख्याल रखेंगे की सरकार को अपने कर्मचारियों की नाराजगी ना झेलनी पड़े। इसी के चलते गहलोत ने अपने बजट में सबसे बड़ा तोहफा भी राज्य सरकार के कर्मचारियों को ही दिया है। बजट में मुख्यमंत्री गहलोत ने सरकारी कर्मचारियों की वर्षों पुरानी मांग को मानते हुए 2004 के बाद लागू नई पेंशन स्कीम को बंद कर पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने की घोषणा कर कर्मचारियों के चहेते मुख्यमंत्री बन गये है।

मुख्यमंत्री को पता है कि किसी भी सरकार को बनाने व हटाने में सरकारी कर्मचारियों का बहुत बड़ा बड़ी भूमिका होती है। ऐसे में इस बार वह किसी भी प्रकार की जोखिम नहीं लेना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों को भी साधने का पूरा प्रयास करते हुए उनके वेतन में प्रतिवर्ष 20 प्रतिशत की वेतन बढ़ोतरी करने की भी घोषणा की है। जिससे प्रदेश में कार्यरत बड़ी संख्या में संविदा कर्मियों को भी बहुत लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राजनीति में हमेशा नवाचार करने के लिए जाने जाते हैं। मुख्यमंत्री रहते हुये वो हर बार कोई ऐसा नया कार्य करते हैं जो एक मिसाल बन जाता है। इस बार भी उन्होंने अलग से कृषि बजट पेश कर एक नई मिसाल कायम की है। गहलोत कृषि बजट पेश करने वाले देश के पहले मुख्यमंत्री भी बन गए हैं। अपने बजट में गहलोत ने महिला मतदाताओं को साधने के लिए मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना में रजिस्टर्ड एक करोड़ 33 लाख महिलाओं को मुफ्त डाटा सहित मोबाइल देने की घोषणा की है।

गहलोत को पता है कि दो हजार अट्ठारह में मात्र आधा प्रतिशत अधिक मत मिलने पर ही उनकी सरकार बनी थी। ऐसे में वह महिला मतदाताओं को पूरी तरह अपने पक्ष में करना चाहते हैं ताकि अगले चुनाव में उन्हें बड़ा जनसमर्थन मिल सके। बजट में कोई नया कर भी नहीं लगाया गया है जिससे प्रदेश वासी राहत महसूस कर रहे हैं। कोरोना संकट को झेल चुके गहलोत ने अपने बजट में स्वास्थ्य के क्षेत्र पर विशेष फोकस रखा है उन्होंने प्रदेश के सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज व नर्सिंग कॉलेज बनाने का प्रस्ताव रखा है। इसके अलावा भी बहुत से मेडिकल कॉलेज व चिकित्सा केंद्रों को अपग्रेड करना वह नए चिकित्सा केंद्रों की स्थापना करने की भी घोषणा की है।

मुख्यमंत्री गहलोत ने अपने सबसे महत्वकांक्षी मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना में कैशलेस इलाज करवाने की प्रति वर्ष पांच लाख की सीमा को बढ़ाकर भी दस लाख रूपये कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने इसमें बहुत से असाध्य रोगों का भी निशुल्क उपचार करना शामिल कर दिया है। इस योजना के पात्र परिवार के सदस्यों को पांच लाख रूपयों तक की दुर्घटना बीमा भी प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री गहलोत देश के ऐसे पहले मुख्यमंत्री है जिन्होंने प्रदेश के सभी परिवारों को कैशलेस चिकित्सा के दायरे में शामिल किया है। समाज के कमजोर वर्गों के साथ ही मध्यम श्रेणी व उच्च श्रेणी के परिवारों को भी मात्र 850 रूपये देने पर इस कैशलेस उपचार की योजना में शामिल किया जाता है। इस तरह की योजना देश में अन्यत्र कहीं लागू नहीं की गई है। प्रधानमंत्री की भी निशुल्क चिकित्सा योजना में सिर्फ कमजोर तबके के लोगों को ही शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री गहलोत ने राजस्थान के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को उनके विद्युत बिल में अनुदान देने की घोषणा कर राहत प्रदान की है। विपक्षी दल राजस्थान में सबसे महंगी बिजली होने का आरोप लगाते रहते हैं। गहलोत की घोषणा के बाद अब बिजली दरों को लेकर सरकार पर लगने वाले आरोप बंद हो जाएंगे। गहलोत ने किसानों को उनके टयूबवेल पर लंबे समय से लंबित विद्युत कनेक्शन आगामी 2 वर्षों में पूरी तरह जारी करने का भी अपने बजट में प्रावधान किया है। वर्तमान में 2013 से अब तक किसानों के करीब तीन लाख 38 हजार कृषि बिजली कनेक्शन लाख लंबित चल रहे हैं। ऐसे में यदि अगले 2 सालों में सभी किसानों को विद्युत कनेक्शन मिल जाते हैं तो प्रदेश में सिंचाई का रकबा तो बढ़ेगा ही साथ ही किसानों को भी अधिक फसल लेने का मार्ग प्रशस्त होगा जिससे उनकी आमदनी बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को राजनीति का जादूगर कहा जाता है। वह अपनी हर चाल सधे कदमों से चलते हैं। जिसका भान किसी को नहीं हो पाता है। मुख्यमंत्री गहलोत ने इस बार पेश किए गए प्रदेश के बजट के माध्यम से जहां प्रदेश के लोगों से सीधा संवाद स्थापित किया है वहीं महिलाओं व किसानों को विशेष तवज्जो देकर उन्होंने एक बड़े वर्ग को साधा है। लोक लुभावना बजट पेश कर गहलोत ने कांग्रेस आलाकमान को भी अप्रत्यक्ष रूप से संदेश दिया है कि प्रदेश की राजनीति में आज भी वह उतने ही प्रासंगिक है। उन्हें प्रदेश के गांव, गरीब, दलित, पीड़ित की पूरी चिंता है। वह उनके प्रति पूरी संवेदनशीलता के साथ काम कर रहे हैं जिसकी झलक बजट में देखने को मिली है।

बजट के माध्यम से गहलोत ने अपने साथ जुड़े तमाम विधायकों को भी उनकी इच्छा अनुसार उनके विधानसभा क्षेत्रों में नए विकास कार्य करवाने की घोषणा कर उन्हें अपने से जोड़े रखा है। विधानसभा चुनाव से पूर्व सरकार एक और बजट पेश करेगी। मगर उससे पूर्व ही गहलोत ने बहुत सारी जनता को लुभाने वाली योजनायें शामिल कर बजट पेश किया है। जो उनकी राजनीतिक सूझबूझ व दूरदर्शिता को ही दर्शाता है। गहलोत की मौजूदा कार्यप्रणाली दर्शाती है कि आने वाले समय में भी कांग्रेस की राजनीति में गहलोत सिरमौर बने रहेंगे। (लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा / ईएमएस)

## आज का इतिहास 28 फरवरी

1568 अकबर ने चित्तौड़गढ़ पर कब्जा किया.
1594 ब्रिटेन के शाही चिकित्सक रोजर लोपर को एलिजाबेथ के खिलाफ साजिश में शामिल होने के लिए गिरफ्तार किया गया.
1712 बहादुरशाह प्रथम की मौत लाहौर में हुई.
1868 बेंजमिन डिजराइली ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने.
1876 स्पेन का कार्लिस्ट युद्ध समाप्त हुआ.
1877 तुर्की और सर्बिया के बीच शांति संधि हुई.
1911 आस्ट्रेलिया ने एकाधिकार कंपनियों के राष्ट्रीयकरण की घोषणा की.
1928 सी.वी.रामन ने रमन प्रभाव की खोज की.
1941 हावड़ा ब्रिज यातायात के लिए खोला गया.
1948 ब्रिटिश सैनिकों की आखिरी टुकड़ी भारत से वापस गई.
1963 भारत के प्रथम राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद का निधन.
1986 स्वीडन के प्रधानमंत्री ओलेफ पाल्मे की हत्या कर दी गई.
1987 फिलीपींस की राष्ट्रपति कोराजोन एक्विनो ने कम्युनिस्ट विद्रोहियों के लिए माफी की घोषणा की.
1990 सोवियत संसद के कोगों को जमीन खरीदने का अधिकार देने वाला विधेयक मंजूर किया.
1991 खाड़ी युद्ध की समाप्ति.
1992 सुरक्षा परिषद ने कंबोडिया के लिए 22 हजार शांति सैनिकों की मंजूरी दी.
1994 अमरीकी विमानों ने सर्बिया के चार विमानों को मार गिराया.
1995 उत्तर पश्चिम बोस्निया में विद्रोहियों ने सरकारी ठिकानों पर हमले किए.
2002 गुजरात बंद के दौरान भारी हिंसा में 79 मरे, सेना बुलाई गई.

## दैनिक पंचांग

**28 फरवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

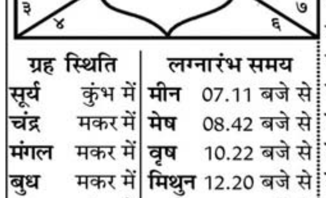



| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | कुंभ में | मीन | 07.11 बजे से |
| चंद्र | मकर में | मेष | 08.42 बजे से |
| मंगल | मकर में | वृष | 10.22 बजे से |
| बुध | मकर में | मिथुन | 12.20 बजे से |
| गुरु | कुंभ में | कर्क | 14.33 बजे से |
| शुक्र | मकर में | सिंह | 16.49 बजे से |
| शनि | मकर में | कन्या | 19.01 बजे से |
| राहु | वृष में | तुला | 21.12 बजे से |
| केतु | वृश्चिक में | वृश्चिक | 23.27 ब.से |
| राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक | | धनु | 01.43 बजे से |
| | | मकर | 03.48 बजे से |
| | | कुंभ | 05.34 बजे से |

**सोमवार** 2022 वर्ष का 59 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943 **मास** फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 03.17 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराषाढ़ा 07.02 बजे तदनन्तर श्रवण 05.19 बजे प्रात: को समाप्त। **योग** वरीयान 14.25 बजे को समाप्त। **करण** गर 16.29 बजे तदनन्तर वणिज 03.17 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 08° 03' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871173 **जूलियन दिन** 2459638.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** रज्जब **तारीख** 26 **विशेष** प्रदोष व्रत।

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| अमृत | 05.53 से | 07.22 बजे तक | चर | 05.43 से | 07.14 बजे तक |
| काल | 07.22 से | 08.50 बजे तक | रोग | 07.14 से | 08.45 बजे तक |
| शुभ | 08.50 से | 10.19 बजे तक | काल | 08.45 से | 10.17 बजे तक |
| रोग | 10.19 से | 11.48 बजे तक | लाभ | 10.17 से | 11.48 बजे तक |
| उद्वेग | 11.48 से | 01.17 बजे तक | उद्वेग | 11.48 से | 01.19 बजे तक |
| चर | 01.17 से | 02.45 बजे तक | शुभ | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| लाभ | 02.45 से | 04.14 बजे तक | अमृत | 02.51 से | 04.2 बजे तक |
| अमृत | 04.14 से | 05.43 बजे तक | चर | 04.22 से | 05.53 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें।

Jagrutidaur.com, Bangalore

# 24 साल के बाद पाकिस्तान दौरे पर पहुंची ऑस्ट्रेलिया

इस्लामाबाद (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई टीम 24 साल के बाद रविवार को पाकिस्तान दौरे पर पहुंची है। ऑस्ट्रेलियाई टीम छह सप्ताह के अपने इस पाक दौरे में तीन टेस्ट, तीन एकदिवसीय और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम साल 1998 में अंतिम बार पाक दौरे पर गयी थी। इसके बाद से ही सुरक्षा कारणों से ऑस्ट्रेलियाई टीम पाक नहीं गयी है। गौरतलब है कि श्रीलंकाई टीम पर साल 2009 के पाक दौरे में हुए आतंकी हमले के बाद से ही विदेशी टीमें यहां दौरे पर जाने से इंकार करती रही हैं।

ऑस्ट्रेलियाई टीम पाक दौरे में इस बार चार मार्च से पहला टेस्ट मैच रावलपिंडी में खेलेगी। वहीं दूसरा टेस्ट मैच कराची में 12 से 16 मार्च तक खेला जाएगा जबकि तीसरा टेस्ट 21 से 25 मार्च तक लाहौर में होगा।

तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज रावलपिंडी में 29 मार्च से शुरु होगी जबकि एकमात्र टी20 मैच पांच अप्रैल को होगा।

पाकिस्तान में पहले छह वर्षों में जिम्बाब्वे, श्रीलंका, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमों ने दौरा किया था पर आस्ट्रेलिया पहली शीर्ष टीम है जो पूर्ण द्विपक्षीय श्रृंखला के लिये पाक पहुंची है। इससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पीसीबी उत्साहित हैं। वहीं पिछले साल न्यूजीलैंड और इंग्लैंड दोनों ने सुरक्षा कारणों से पाक दौरा रद्द कर दिया था। अब यह दोनों ही टीमें भी इस साल के अंत में पाक का दौरा कर सकती हैं।

# खेल-समाचार

## रणजी ट्रॉफी : पंजाब ने हरियाणा को 10 विकेट से हराया

नई दिल्ली (ईएमएस)। पंजाब ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप एफ मैच में रविवार को यहां हरियाणा को 10 विकेट से हरा दिया। पंजाब की जीत में तेज गेंदबाज बलतेज सिंह और बायें हाथ के स्पिनर अभिषेक शर्मा की अहम भूमिका रही, दोनो ने ही तीन-तीन विकेट लिए। पंजाब को इस जीत से बोनस सहित सात अंक मिले हैं। हरियाणा ने फॉलोआन आज सुबह अपनी दूसरी पारी में चार विकेट पर 149 रनों से आगे खेलना शुरु किया पर उसकी पूरी टीम 203 रनों पर ही सिमट गयी।

पंजाब को इस मैच में जीत के लिए 42 रन का लक्ष्य मिला और उसने प्रभसिमरन सिंह के नाबाद 25 रन और कप्तान अभिषेक शर्मा के नाबाद 20 रनों की सहायता से बिना कोई विकेट खोये 45 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। अभिषेक 15 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि बलतेज ने में 17 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। वहीं सिद्धार्थ कौल ने 75 रन देकर दो विकेट लिए। वहीं हरियाणा की ओर से केवल निशांत सिंधू ने ही सबसे ज्यादा 57 रन बनाए।

इससे पहले पंजाब ने अपनी पहली पारी में 444 रन बनाकर हरियाणा को 282 रन पर आउट करके फॉलोआन दिया था। अपनी दूसरी पारी में भी हरियाणा के बल्लेबाज पंजाव के गेंदबाजों का सामना नहीं कर पाये।

## मार्टिनेज चिली ओपन के फाइनल में पहुंचे

सैंटियागो (ईएमएस)। स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज चिली ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गये हैं। मार्टिनेज ने सेमीफाइनल में स्थानीय खिलाड़ी अलेजांद्रो टैबिलो को 5-7, 6-4, 6-4 से हराया। मार्टिनेज का मुकाबला फाइनल में अर्जेंटीना के सेबस्टियन बेज से होगा। सेबस्टियन ने इससे पहले स्पेन के दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अल्बर्ट रामोस विनोलस को 6-4, 4-6, 6-2 से हराया था। मार्टिनेज का पेशेवर टेनिस में यह दूसरा फाइनल होगा। इससे पहले उन्हें गत वर्ष ऑस्ट्रिया में हुए एक अन्य क्लेकोर्ट टूर्नामेंट किट्ज़बुहेल ओपन के फाइनल में भी हार का सामना करना पड़ा था। अब देखना है कि इस टूर्नामेंट में वह जीत पाते हैं या नहीं

## नडाल ने मैक्सिको ओपन के साथ ही 91वां एटीपी खिताब जीता

अकापुल्को (ईएमएस)। स्पेन के टेनिस स्टार राफेल नडाल ने ब्रिटेन के कैमरून नॉरिस को 6-4, 6-4 से हराकर मैक्सिको ओपन टेनिस खिताब जीत लिया है। इसी के साथ ही नडाल ने अपना 91वां एटीपी खिताब जीता है। यह उनका इस साल का अपना तीसरा खिताब है। इससे पहले उन्होंने इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब भी जीता था। इसी के साथ ही नडाल अब विश्व में सबसे ज्यादा खिताब जीतने के मामले में तीसरे नंबर पर रहे दिग्गज खिलाड़ी इवान लेंडल से केवल तीन खिताब ही पीछे रह गये हैं। वहीं जिमी कोनर्स 109 खिताब के साथ नंबर एक पर हैं जबकि स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर दूसरे नंबर पर हैं। नडाल ने अकापुल्को में चौथी बार खिताब अपने नाम किया है। इससे पहले उन्होंने साल 2005, 2013 और 2020 में यहां खिताब अपने नाम किया था। वहीं युगल मुकाबले में फेलिसियानो लोपेज और यूनान के स्टेफनोस सिटसिपास ने मार्सेलो अरेवालो और जीन जूलियन रोजर को 7-5, 6-4 से हराकर खिताब जीता।

## एफआईएच प्रो लीग : पहले मैच में भारतीय महिला हॉकी टीम ने स्पेन को 2-1 से हराया

भुवनेश्वर (ईएमएस)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शनिवार को हुए एफआईएच प्रो लीग के पहले मैच में स्पेन को 2-1 से हराया। इस मैच में स्पेन की ओर से मार्ता सेगु ने शुरुआत में ही गोल कर अपनी टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी पर 18वें मिनट में भारतयी टीम ने ज्योति के मैदानी गोल से स्कोर बराबरी पर ला दिया। इसके बाद नेहा गोयल के 52वें मिनट में किए गए मैदानी गोल से भारतीय टीम ने दूसरा गोल कर स्पेन के खिलाफ 2-। की बढ़त हासिल कर ली जो अंत तक बनी रही।

भारतीय टीम ने शुरुआत में ज्यादा तेजी नहीं दिखायी जिससे स्पेनिश टीम को दबाव बनाने का अवसर मिल गया। स्पेन को चौथे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिल गया पर भारतीय रक्षा पंक्ति ने उसे नाकाम कर दिया। भारतीय खिलाड़ी पहले क्वार्टर में स्पेन पर आक्रमण करने में सफल रही पर वह अपने प्रयासों को गोल में नहीं बदल पायीं। वहीं दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही स्पेन ने एक गोल कर दिया। पर भारतीय खिलाड़ियों ने भी कुछ देर बाद ही पलटवार कर एक गोल दागकर स्कोर बराबरी पर ला दिया।

इसके बाद भी स्पेनिश खिलाड़ियों के हमले जारी रहे पर भारतीय खिलाड़ियों ने उन्हें नाकाम कर दिया। वहीं भारतीय खिलाड़ियों ने भी जवाबी हमले किये पर वे गोल नहीं कर पायीं। चौथे और अंतिम क्वार्टर में स्पेन ने लगातार हमले कर भारत की रक्षात्मक पंक्ति पर दबाव बनाया, पर भारतीय टीम ने उसका अच्छा बचाव किया।

खेल समाप्त होने से कुछ मिनट पहले ही वंदना कटारिया के पास पर नेहा ने गेंद गोल पोस्ट में भेज कर भारतीय टीम को 2-1 से बढ़त दिला दी। इसके बाद स्पेन ने वापसी के प्रयास किये पर उसे सफलता नहीं मिल पायी। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने लीग में अपना तीसरा मुकाबला जीता। इससे पहले भारतीय टीम ने ओमान के मस्कट में हुए दो शुरूआती मैचों को जीता था।

## रूबलेव ने दुबई ओपन जीता

दुबई (ईएमएस)। रुस के आंद्रे रूबलेव ने दुबई टेनिस चैंपियनशिप जीत ली है। रूबलेव ने फाइनल में चेक गणराज्य के क्वालीफायर जिरी वेस्ली को 6-3, 6-4 से हराकर। इसी के साथ ही रूबलेव ने अपना 10वां खिताब जीता है।

वेस्ली ने इस मुकाबले के क्वार्टर फाइनल में सर्बिया के नोवाक जोकोविच और सेमीफाइनल में डेनिस शापोवलोव को हराया था। वहीं रूबलेव ने सेमीफाइनल में पोलैंड के हूबर्ट हरकाज को पराजित किया था। इस रुसी खिलाड़ी ने इससे पहले मार्सेली में ओपन 13 जीता था। इसमें रूबलेव ने यूक्रेन के अपने जोड़ीदार डेनीज मोलचानोव को हराकर युगल खिताब अपने नाम किया था।

## सबसे अधिक 5 बार मुंबई इंडियन्स ने जीती आईपीएल चैंपियनशिप, 6 बार खेला फाइनल

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुनिया की सबसे अमीर क्रिकेट लीग आईपीएल के 15वें सीजन (आईपीएल-2022) का आगाज 26 मार्च से किया जाएगा। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने अपनी बैठक में लीग के अगले सीजन से जुड़े कुछ अहम फैसले लिए हैं। खास बात यह है कि पूरा सीजन भारत की मेजबानी में खेला जाएगा। हवाई यात्रा से बचने के लिए एक ही राज्य में जैव-सुरक्षित वातावरण यानी बायो-सिक्योर बबल में मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। आईपीएल के पिछले सीजन को 2 चरणों में आयोजित किया गया था जब भारत में कुछ खिलाड़ी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। इसी खतरे से बचने के लिए मुंबई और पुणे में लीग के मैचों का आयोजन किया जाएगा। टूर्नामेंट का फाइनल 29 मई 2022 को खेला जाएगा। मुंबई और पुणे में 4 अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्टेडियमों में कुल 70 लीग मैच खेले जाएंगे। जबकि, प्लेऑफ मैचों का स्थान बाद में तय किया जाएगा।

मुंबई इंडियंस लीग की सबसे सफल टीम मानी जाती है। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इस बार कुछ नए खिलाड़ियों के साथ उतरेगी। वहीं, लीग से 2 नई टीम भी जुड़ी हैं। इनमें से लखनऊ सुपर जाइंट्स की कप्तानी केएल राहुल संभालेंगे, वहीं गुजरात टाइटंस की कमान ऑलराउंडर हार्दिक पंडया के पास है। मुंबई इंडियंस टीम ने सबसे अधिक पांच बार आईपीएल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। वह कुल छह बार फाइनल में पहुंची। दूसरे स्थान पर सबसे सफल टीम है चेन्नई सुपर किंग्स, जिसने में नौ बार फाइनल में जगह बनाई और चार बार चैंपियन बनने में सफल रही। कोलकाता नाइटराइडर्स कुल दो बार चैंपियन बनी है, जबकि वह तीन बार फाइनल में पहुंचने में सफल रही है। सन राइजर्स हैदराबाद टीम एक बार चैंपियन बनी जबकि वह दो बार फाइनल में पहुंची। राजस्थान रायल्स ने एक बार चैंपियनशिप जीती है। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने अब तक एक बार भी चैंपियनशिप नहीं जीती है, हालांकि वह तीन बार फाइनल में पहुंची है। इसी तरह दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स एक-एक बार फाइनल में पहुंच चुकी हैं, हालांकि उनके हाथ चैंपियनशिप नहीं लगी है। लखनऊ सुपर जाइन्ट्स और गुजरात टाइटन्स नए इंट्रैंट हैं, उनका आईपीएल में कोई रिकार्ड नहीं है।

अगले सीजन में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में 20, ब्रेबोर्न स्टेडियम में 15, मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में 20 और पुणे के एमसीए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 15 मैच खेले जाएंगे। सभी टीमें वानखेड़े और डीवाई पाटिल स्टेडियम में 4-4 मैच खेलेंगी जबकि ब्रेबोर्न और पुणे के एमसीए स्टेडियम में 3-3 मुकाबले आयोजित किए जाएंगे।

# पाबंदियों को असरहीन करने के लिए रूस की एक मात्र आशा चीन से, रूस फिर भी सतर्क

बीजिंग (ईएमएस)। यूक्रेन पर हमले को लेकर वैश्विक आलोचनां को झेल रहे रूस पर लगाये गए आर्थिक प्रतिबंधों को असरहीन करने के लिए रूस की उम्मीद केवल चीन पर टिकी है, लेकिन चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की सरकार इस बात के संकेत नहीं दे रही है कि वह बहुत ज्यादा मदद करके अमेरिका और यूरोपीय बाजारों तक अपनी पहुंच को जोखिम में डालने को भी तैयार है। चीन अगर चाहता भी है तो भी गैस और अन्य सामानों को अधिक से अधिक आयात करके रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के समर्थन की उसकी सीमा सीमित है। वॉशिंगटन की साझी नाराजगी के कारण रूस के साथ चीन के संबंध शी चिनफिंग के 2012 में सत्ता में आने के बाद से बहुत अच्छे हैं, लेकिन दोनों के हित टकरा सकते हैं। भले ही दोनों देशों की सेनाएं संयुक्त युद्धाभ्यास करती हैं, लेकिन पुतिन मध्य एशिया और रूस के सुदूर पूर्वी इलाकों में चीन की आर्थिक मौजूदगी को लेकर असहज हैं।

'शंघाई यूनिवर्सिटी ऑफ पॉलिटिकल साइंस एंड लॉ' के अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विशेषज्ञ ली शीन ने कहा, 'चीन-रूस के संबंध इतिहास के सबसे उच्च स्तर पर हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच कोई समझौता नहीं है।' यूक्रेन पर रूसी हमले के जवाब में, अमेरिका, ब्रिटेन, 27-राष्ट्रों के यूरोपीय संघ और अन्य पश्चिमी सहयोगियों ने रूसी बैंकों, अधिकारियों, व्यापारिक नेताओं और कंपनियों के खिलाफ प्रतिबंधों की घोषणा या वादा किया है, साथ ही रूस के उद्योगों और उच्च स्तर की सेना को जरूरी चीजों की पूर्ति से वंचित रखने के उद्देश्य से निर्यात नियंत्रण का भी निर्णय किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि शी चिनफिंग की सरकार इन सीमाओं के भीतर पुतिन को मदद कर सकती है। चीनी कंपनियां इस स्थिति का इस्तेमाल बेहतर सौदे के रूप में भुनाने के लिए कर सकती हैं, लेकिन खुले तौर पर प्रतिबंधों का उल्लंघन करने और खुद के लिए दंडित किये जाने वाले कदमों से बचेगी।

'एशिया इकोनॉमिस्ट फॉर कैपिटल इकोनॉमिक्स' के मुख्य मार्क विलियम्स ने कहा, 'चीन इतना मशगूल नहीं होना चाहता कि उसे रूस को समर्थन देने के लिए खुद भी मुश्किलों का सामना करना पड़ जाये।' रूस के साथ चीनी व्यापार पिछले साल बढ़कर 146.9 अरब डॉलर हो गया, लेकिन यह अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ चीन के कुल 1.6 ट्रिलियन डॉलर के व्यापार के दसवें हिस्से से भी कम है। विलियम्स ने कहा, 'यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि क्या रूस की मदद के लिए चीन पश्चिमी बाजारों तक अपनी पहुंच को जोखिम में डालने को तैयार हैं, और मुझे नहीं लगता कि वे (चीन) तैयार हैं। यह (रूस) इतना बड़ा बाजार नहीं है।' चीन, दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, एकमात्र प्रमुख सरकार है जिसने आक्रमण की निंदा नहीं की है।

# वर्ष 2021-22 में 100 अरब डॉलर पार कर सकता कच्चे तेल का आयात बिल

नई दिल्ली (ईएमएस)। चालू वित्त वर्ष 2021-22 में देश के कच्चे तेल का आयात बिल 100 अरब डॉलर के आंकड़े को पार करने की आशंका जताई गई है। यह पिछले वित्त वर्ष में कच्चे तेल के आयात पर हुए खर्च का लगभग दोगुना होगा। ?जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें सात साल के उच्चस्तर पर पहुंच गई हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2021-22 के पहले 10 माह अप्रैल-जनवरी में भारत ने कच्चे तेल के आयात पर 94.3 अरब डॉलर खर्च किए हैं। जनवरी में कच्चे तेल के आयात पर 11.6 अरब डॉलर खर्च हुए हैं। पिछले साल जनवरी में भारत ने कच्चे तेल के आयात पर 7.7 अरब डॉलर खर्च किए थे।फरवरी में कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गईं। ऐसे में अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष के अंत तक भारत का तेल आयात बिल दोगुना होकर 110 से 115 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगा। भारत अपने कच्चे तेल की 85 प्रतिशत जरूरत को आयात से पूरा करता हूं। आयातित कच्चे तेल को तेल रिफाइनरियों में वाहनों और अन्य प्रयोगकर्ताओं के लिए पेट्रोल और डीजल जैसे मूल्यवर्धित उत्पादों में बदला जाता है।

भारत के पास अतिरिक्त शोधन क्षमता है और यह कुछ पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात करता है लेकिन रसोई गैस यानी एलपीजी का उत्पादन यहां कम है, जिसे सऊदी अरब जैसे देशों से आयात किया जाता है। वित्त वर्ष 2021-22 के पहले 10 माह अप्रैल-जनवरी में पेट्रोलियम उत्पादों का आयात 3.36 करोड़ टन या 19.9 अरब डॉलर रहा है। दूसरी ओर 33.4 अरब डॉलर के 5.11 करोड़ टन पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात किया गया। भारत ने पिछले 2020-21 के वित्त वर्ष में 19.65 करोड़ टन कच्चे तेल के आयात पर 62.2 अरब डॉलर खर्च किए थे। उस समय कोविड-19 महामारी की वजह से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें नीचे आई थीं।

# एलआईसी में 20 फीसदी तक एफडीआई की अनुमति

मुंबई (ईएमएस)। सरकार ने आईपीओ लाने की तैयारी में जुटी एलआईसी में स्वचालित मार्ग से 20 प्रतिशत तक प्रत्यक्ष विदेश निवेश (एफडीआई) की अनुमति दी है। ?जिससे से देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी के विनिवेश में आसानी होगी। इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में फैसला किया गया। सरकार ने एलआईसी के शेयरों को आईपीओ के जरिए शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की मंजूरी दे दी है। विदेशी निवेशक इस मेगा आईपीओ में भाग लेने के इच्छुक हो सकते हैं, हालांकि मौजूदा एफडीआई नीति के तहत एलआईसी में विदेशी निवेश का कोई विशेष प्रावधान नहीं है, जो एलआईसी अधिनियम, 1956 के तहत गठित एक सांविधिक निगम है। चूंकि, इस समय एफडीआई नीति के अनुसार सरकारी अनुमोदन मार्ग के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में विदेशी निवेश की सीमा 20 प्रतिशत है, इसलिए एलआईसी और ऐसे अन्य कॉरपोरेट निकायों में 20 प्रतिशत तक विदेशी निवेश को मंजूरी देने का फैसला किया गया।पूंजी जुटाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए इस तरह के एफडीआई को स्वचालित मार्ग के तहत रखा गया है।

# अगले पांच साल में मसाला निर्यात दोगुना करने का लक्ष्य रखेंः गोयल

नई दिल्ली (ईएमएस)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मसाला उद्योग से उत्पादों की गुणवत्ता पर ध्यान देने और अगले पांच साल में निर्यात दोगुना करने का लक्ष्य रखने की अपील की। बीते वित्त वर्ष में देश से मसालों और मसाला उत्पादों का निर्यात करीब पांच अरब डॉलर का था। गोयल ने भारतीय मसालों की पैकेजिंग और ब्रांडिंग पर भी ध्यान देने को कहा जिससे निर्यात को बढ़ावा मिले। उन्होंने कहा ?कि 2030 तक निर्यात 10 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखने के बजाए इसे अगले पांच वर्ष में 2027 तक दोगुना यानी 10 अरब डॉलर करने का और फिर 2032 तक निर्यात फिर से दोगुना करने का रखा जाए। स्पाइसेस बोर्ड के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में किसानों और निर्यातकों से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि मसालों के मामले में भारत यूं तो वैश्विक अगुआ है लेकिन पूर्ण एवं कच्चे रूप में इनके निर्यात के मामले में उसे कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

# वैश्विक बाजार पर नजर, तेल की कीमतें बढ़ने से रोकने मोदी सरकार उठाएगी बड़ा कदम

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के कारण किसी तरह के आपूर्ति व्यवधान की आशंका को देखते हुए वह वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर नजर रख रहा है। भारत ने यह भी कहा कि कीमतों को बढ़ने से रोकने के लिए वह रणनीतिक भंडारों से तेल जारी करने को समर्थन देगा। रूस के यूक्रेन पर हमला करने के परिणामस्वरूप 24 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतें सात वर्ष के सर्वकालिक उच्च स्तर 105.58 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई थी। बाद में पश्चिम देशों द्वारा रूस पर प्रतिबंध लगाने के बाद इन दरों में कमी आई और ये 100 डॉलर प्रति बैरल पर आ गईं। तेल मंत्रालय ने कहा ?कि भारत सरकार वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर करीब से नजर रख रही है जिससे बदलती भूराजनीतिक परिस्थिति के परिणाम स्वरूप ऊर्जा की आपूर्ति संबंधी व्यवधानों के बारे में पता चल सके।

मौजूदा आपूर्ति स्थिर कीमतों पर जारी रहे यह सुनिश्चित करने के लिए भारत उचित कदम उठाने के लिए तैयार है।'' बयान में अंतरराष्ट्रीय कीमतों में वृद्धि का उपभोक्ता मूल्य पर क्या असर होगा इसके बारे में कोई जिक्र नहीं किया गया। इसमें कहा गया ?कि भारत रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार से तेल जारी करने की पहल का समर्थन करने, बाजार में उतार-चढ़ाव को कम करने और कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि को रोकने के लिए भी प्रतिबद्ध है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में कमी लाने के लिए भारत ने अमेरिका, जापान और अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के साथ मिलकर पिछले वर्ष नवंबर में अपने आपातकालीन भंडार से 50 लाख बैरल कच्चा तेल जारी करने पर सहमति जताई थी। तब कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमत 82-84 प्रति बैरल थी। बयान में यह नहीं बताया गया कि भारत कच्चा तेल कितनी मात्रा में जारी करेगा।

# नीति आयोग का अधिक चीनी, नमक, वसा वाले उत्पादों पर कर प्रस्ताव

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की आबादी के बीच मोटापे की बढ़ती समस्या से निपटने के लिए नीति आयोग अधिक चीनी, वसा और नमक वाले खाद्य पदार्थों पर कराधान और फ्रंट-ऑफ-द-पैक लेबलिंग जैसी कदम उठाने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। फ्रैंट-ऑफ-द-पैक लेबलिंग से उपभोक्ताओं को अधिक चीनी, नमक और वसा वाले उत्पादों को पहचानने में मदद मिलती है। सरकारी शोध संस्थान नीति आयोग की 2021-22 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि भारत में बच्चों, किशोरों और महिलाओं में अधिक वजन और मोटापे की समस्या लगातार बढ़ रही है। 24 जून, 2021 को नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) की अध्यक्षता में माताओं, किशोरों और बच्चों को मोटापे से बचाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक विचार-विमर्श का आयोजन किया गया था। इसमें कहा गया है कि नीति आयोग आर्थिक विकास संस्थान (आईईजी) और भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संगठन (पीएचएफआई) के सहयोग से इस दिशा में काम कर रहा है। इसके जरिये उपलब्ध साक्ष्यों के आधार उठाए जाने वाले कदमों की पहचान की जा रही है। इन उपायों के तहत फ्रंट-ऑफ-पैक लेबलिंग, एचएफएसएस (चीनी, नमक और वसा की ऊंची मात्रा वाले उत्पाद) उत्पादों का विपणन और विज्ञापन तथा अधिक चीनी, वसा और नमक वाले उत्पादों पर कर लगाना शामिल है। गैर-ब्रांडेड नमकीन, भुजिया, वेजिटेबल्स चिप्स और स्नैक्स पर पांच प्रतिशत माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगता है जबकि ब्रांडेड और पैकेटबंद उत्पादों के लिए जीएसटी दर 12 प्रतिशत है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे (एनएफएचएस-5) 2019-20 के अनुसार, मोटापे से ग्रस्त महिलाओं की संख्या बढ़कर 24 प्रतिशत हो गई है, जो 2015-16 में 20.6 प्रतिशत थी। जबकि पुरुषों के मामले में यह आंकड़ा 18.4 प्रतिशत बढ़कर 22.9 प्रतिशत हो गया है। नीति आयोग की वार्षिक रिपोर्ट में हाइपरलूप का भी जिक्र किया गया है।

# यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूस के साथ बेलारूस में बातचीत से किया इनकार

-बोले अन्य स्थानों पर भी हो सकती है वार्ता

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन पर रूस की मिसाइलों के धमाकों के बीच राष्ट्रपति राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि उनका देश रूस के साथ शांति वार्ता करने के लिए तैयार है लेकिन बेलारूस में नहीं, जो मॉस्को की तीन दिन से चल रहे हमले के लिए जमीनी मदद कर रहा है। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को एक वीडिया संदेश में वार्ता के वैकल्पिक स्थानों के तौर पर वारसॉ, ब्रातिस्लावा, इस्तांबुल, बुडापेस्ट या बाकू का नाम लिया। उन्होंने कहा कि अन्य स्थानों पर भी वार्ता हो सकती है लेकिन स्पष्ट किया कि यूक्रेन बेलारूस में वार्ता नहीं करेगा।

क्रेमलिन ने रविवार को कहा कि उसका एक प्रतिनिधिमंडल यूक्रेन के अधिकारियों से बातचीत करने के लिए बेलारूस के होमेल शहर पहुंच गया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल में सैन्य अधिकारी और राजनयिक शामिल हैं। उन्होंने कहा, रूसी प्रतिनिधिमंडल बातचीत के लिए तैयार है और हम यूक्रेन के अधिकारियों का इंतजार कर रहे हैं। रूस ने गुरुवार को यूक्रेन पर हमला कर दिया और उसकी सेना उत्तर में मॉस्को के सहयोगी बेलारूस की ओर से आगे बढ़ रही है।

# अरबपति एलन मस्क ने दिखाई दरियादिली, यूक्रेन की मदद के लिए अंतरिक्ष से भेजी मदद

वॉशिंगटन (ईएमएस)। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद उसकी मदद के लिए दुनिया के सबसे रईस शख्स एलन मस्क आगे आए हैं। उन्होंने यूक्रेन की एक गुहार पर सीधे अंतरिक्ष से ही मदद भेज दी है। रूस की ओर से ताबड़तोड़ साइबरों हमलों में यूक्रेन की राजधानी कीव सहित पूर्वी व दक्षिणी शहरों में इंटरनेट की सेवा डाउन हो गई थी। इसके बाद यूक्रेन ने एलन मस्क की मदद मांगी, जिसके तुरंत बाद ही उन्होंने अपनी स्टारलिंक सर्विस को यूक्रेन में सक्रिय कर दिया।

यूक्रेन के उप प्रधानमंत्री मयखैलो फेदोरोव ने ट्वीट कर एलन मस्क से मदद मांगी। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि, रूस की तरफ से हम पर लगातार साइबर हमले किए जा रहे हैं। हमें तत्काल आपकी मदद की जरूरत है। फेदोरोव ने कहा कि मस्क आपके रॉकेट जहां सफलतापूर्वक अंतरिक्ष से सफलतापूर्वक धरती पर लैंड कर रहे हैं, वहीं रूसी रॉकेट यूक्रेन के आम नागरिकों पर हमले कर रहे हैं। हम आपसे प्रार्थना करते हैं कि हमें यूक्रेन में स्टारलिंक स्टेशन मुहैया कराएं, जिससे हम रूस का सामना कर सकें।

जिसके बाद एलन मस्क ने दरियादिली दिखाते हुए तुरंत मदद के लिए तैयार हो गए। उन्होंने यूक्रेनी नेती की ओर से आए इस ट्वीट पर रिट्वीट करते हुए लिखा कि, स्टारलिंक सर्विस अब यूक्रेन में एक्टिव है। कई अन्य टर्मिनल रास्ते में हैं।' बताते चलें कि रूस की सेना ने देश के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में एक गैस पाइपलाइन बम धमाके से उड़ा दी। 'स्टेट सर्विस ऑफ स्पेशल कम्युनिकेशन एंड इंफॉर्मेशन प्रोटेक्शन' ने आगाह किया कि इस विस्फोट से 'पर्यावरणीय आपदा' आ सकती है और उन्होंने निवासियों को सलाह दी कि वे अपनी खिड़कियों को गीले कपड़ों से ढक दें और काफी तरल पदार्थ पीएं।

# यूक्रेन को 200 एयर डिफेंस राकेट देगा नीदरलैंड, 1000 टैंकरोधी हथियार व 500 मिसाइल देने की जर्मनी ने की पेशकश

मास्को (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के चौथे दिन रूस ने ने यूक्रेन की चौतरफा घेराबंदी शुरू कर दी है। रूस और यूक्रेन के बीच हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। दोनों देशों के बीच अब आमने-सामने की जंग शुरू हो गई है। इसी बीच यूक्रेन ने दावा किया है कि रूस ने 24 फरवरी से अब तक 14 विमान, 8 हेलीकाप्टरों, 102 टैंकों, 536 बीबीएम, 15 भारी मशीनगनों और एक बीयूके मिसाइल को खो दिया है।

साथ ही क्रेमलिन ने 3,500 से अधिक सैनिकों को भी खो दिया है। हालांकि, रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले जारी रखने के कारण हजारों यूक्रेन के नागरिकों ने पड़ोसी देशों में शरण ली है। क्रेमलिन का कहना है कि यूक्रेन के अधिकारियों के साथ बातचीत के लिए एक रूसी प्रतिनिधिमंडल बेलारूस के शहर होमेल पहुंचा है। यूक्रेन के खार्किव शहर में रूसी सैनिक दाखिल हो चुके हैं। क्षेत्रीय प्रशासन के प्रमुख ने कहा है कि रूसी सैनिकों और यूक्रेनी सशस्त्र बलों के जवानों के बीच भीषण लड़ाई चल रही है।

यूक्रेन में हमलों के बीच रूसी सैनिक, यूक्रेन के दूसरे शहर में घुस गए हैं। क्षेत्रीय प्रशासन के हवाले से बताया कि यूक्रेन के दूसरे शहर में रूसी सैनिक घुस गए हैं और इन क्षेत्रों में भीषण लड़ाई चल रही है। रूस ने यूक्रेन पर हमलों के बीच बड़ा दावा किया है। रूस ने दावा किया है कि उसने यूक्रेन के दक्षिण और दक्षिणपूर्व में दो बड़े शहरों को घेर लिया है।

रूस के यूक्रेन पर हमले लगातार जारी हैं। इसी बीच यूक्रेन के गवर्नर दिमित्री जिवित्स्की ने बताया कि रूसी गोलाबारी में 7 वर्षीय बच्ची समेत 6 लोग मारे गए हैं। एलन मस्क का कहना है कि उनकी कंपनी स्पेसएक्स की स्टारलिंक उपग्रह ब्राडबैंड सेवा यूक्रेन में सक्रिय हो गई है। उन्होंने बताया कि कीव के एक अधिकारी ने टेक टाइटन से अपने संकटग्रस्त देश को स्टेशन उपलब्ध कराने का आग्रह किया था। यूक्रेन ने दावा किया है कि रूस ने 24 फरवरी से अब तक 14 विमान, 8 हेलीकाप्टरों, 102 टैंकों, 536 बीबीएम, 15 भारी मशीनगनों और 1 बीयूके मिसाइल को खो दिया है। साथ ही क्रेमलिन ने 3,500 से अधिक सैनिकों को भी खो दिया है। रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले जारी रखने के कारण हजारों यूक्रेन के नागरिकों ने पड़ोसी देशों में शरण ली।

नीदरलैंड ने यूक्रेन को अपने हवाई क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 200 एयर डिफेंस राकेट देने का ऐलान किया है। जर्मनी ने यूक्रेन को 1,000 टैंक रोधी हथियार और 500 'स्टिंगर' सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल देने की घोषणा की है। रूस ने अपने हवाई क्षेत्र को लिथुआनिया, लात्विया, एस्टोनिया और स्लोवेनिया के विमानों के लिए बंद कर दिया है। रूस ने इन देशों द्वारा उठाए गए कदम के बाद यह फैसला लिया है।

# यूक्रेन के लोगों की मदद के लिए हंगरी ने हाथ बढ़ाया

बेरेगसुरनी, हंगरी (ईएमएस)। रूस के हमले से जूझ रहे यूक्रेन के लोगों की मदद के लिए हंगरी आगे आया है। यहां के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने कहा है कि हंगरी यूक्रेन से आने वाले सभी नागरिकों और अन्य लोगों का स्वागत कर रहा है। सीमावर्ती शहर बेरेगसुरनी में एक संवाददाता सम्मेलन में ओरबान ने कहा, 'मैंने ऐसे लोगों को भी देखा है जिनके पास कोई यात्रा दस्तावेज नहीं है, लेकिन हम उन्हें भी यात्रा दस्तावेज उपलब्ध करा रहे हैं। हम उन लोगों को भी अनुमति दे रहे हैं जो उचित जांच प्रक्रिया के बाद अन्य देशों से आए हैं।'

यूरोपीय संघ में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सबसे करीबी सहयोगी के रूप में ओरबान ने क्रेमलिन के साथ घनिष्ठ आर्थिक और राजनयिक संबंध बनाए हैं। हालांकि, ओरबान ने कहा है कि हंगरी के पड़ोसी पर रूस के आक्रमण से पुतिन के साथ उनके संबंधों में बदलाव की संभावना है और हंगरी यूरोपीय स्तर पर मास्को के खिलाफ सभी प्रस्तावित प्रतिबंधों का समर्थन कर रहा है।

वियनाः जर्मनी के चांसलर ओलाफ शॉल्त्स और लिथुआनिया के राष्ट्रपति गीतानास नौसेदा की बर्लिन में होने वाली बैठक से पहले, पोलैंड के प्रधानमंत्री मैटिअस्ज मोराविएकी ने जर्मनी से ''स्वार्थ'' और ''अहंकार'' को अलग रखने तथा यूक्रेन के लोगों का सहयोग करने का आग्रह किया है।

ब्रातिस्लावाः स्लोवाकिया के रक्षा मंत्री जारोस्लाव नाद ने कहा है कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के जवाब में नाटो के अन्य सदस्य देशों के 1,200 विदेशी सैनिकों को उनके देश में तैनात किया जा सकता है।

## यूक्रेन को सैन्य मदद देने अमेरिका ने 35 करोड़ डॉलर की अतिरिक्त राशि प्रदान की

वॉशिंगटन (ईएमएस)। यूक्रेन-रूस जंग को लेकर अमेरिका ने यूक्रेन का पक्ष लेते हुए 35 करोड़ डॉलर की अतिरिक्त सैन्य सहायता में बख्तर-रोधी उपकरण, छोटे हथियार और विभिन्न प्रकार के गोला-बारूद तथा अन्य चीजें प्रदान की हैं। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने यह जानकारी दी। इस सहायता की घोषणा शनिवार को की गई।

रक्षा विभाग के अन्य अधिकारी ने कहा कि इस सहायता में जेवलिन टैंक रोधी हथियार शामिल होंगे तथा इन्हें चरणबद्ध तरीके से जल्द से जल्द यूक्रेन को मुहैया कराया जाएगा।

अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि यूक्रेन को पिछले कुछ दिन में सैन्य सहायता दी गई है और आगे भी इस पर विचार किया जाएगा।

# नार्थ कोरिया ने दो माह के बाद फिर किया बैलेस्टिक मिसाइल परीक्षण!

-एक साल में उसका आठवां परीक्षण

प्योंगयांग, नार्थ कोरिया (ईएमएस)। नार्थ कोरिया सामरिक रूप से लगातार अपने को मजबूत करने में लगा है। दो माह के बाद एक बार फिर से एक मिसाइल का परीक्षण किया है। दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी के मुताबिक इस मिसाइल का परिक्षण रविवार सुबह किया गया है। एजेंसी के मुताबिक दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ आफ स्टाफ ने बताया है कि ये पूर्वी दिशा की तरफ से लान्च की गई थी। हालांकि अभी इसकी अधिक जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है। जापान के कोस्ट गार्ड ने चेतावनी दी है कि उत्तर कोरिया ने एक मिसाइल लान्च की है। जापान की तरफ से अपने जहाजों को सतर्क रहने को भी कहा है।

क्योडो की रिपोर्ट में कहा गया है कि ये मिसाइल जापान सागर की तरफ छोड़ी गई। रिपोर्ट के मुताबिक ये एक बैलेस्टिक मिसाइल हो सकती है। ये जापान के बाहरी एक्सक्लूसिव इकनामिक जोन में दिखाई दी थी। यदि ये साबित हो जाता है कि ये एक मिसाइल थी तो ये इस वर्ष उत्तर कोरिया का आठवां परिक्षण होगा। आपको बता दें कि जनवरी में उत्तर कोरिया ने सात मिसाइल परिक्षण किए थे। इन परिक्षणों से समूचा प्रायद्वीप दहशत में आ गया था। जनवरी में ही उत्तर कोरिया ने अपना सबसे शक्तिशाली मिसाइल परिक्षण भी किया था।

उत्तर कोरिया द्वारा जनवरी में किए गए मिसाइल परिक्षणों के दौरान एक बार भी राष्ट्र के प्रमुख किम जोंग उन दिखाई नहीं दिए थे। फरवरी में मीडिया में उनकी पहली बार तस्वीर जारी हुई थी जिसमें वो अपने दूसरे अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों के साथ घुड़सवारी करते हुए दिखाई दे रहे थे। वैश्विक मीडिया में इन तस्वीरों को लेकर चर्चा भी हुई थी। वहीं जनवरी में किए गए मिसाइल परिक्षणों के बाद अमेरिका ने दक्षिण कोरिया और जापान से बात कर उन्हें उनकी सुरक्षा के लिए आश्वस्त भी किया था। जनवरी में किए गए मिसाइल परिक्षण के बाद उत्तर कोरिया की तरफ से कहा गया था कि उसके वैज्ञानिकों ने खुद को साबित किया है।

# रूस के खिलाफ यूक्रेन के हौंसले बुलंद, गोरिल्ला युद्ध की तैयारी

-कीव में हथियारबंद हुए यूक्रेनी नागरिक

कीव (ईएमएस)। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेनेंस्की का राष्ट्रवाद वहां की जनता के लिए प्रेरणा बन रहा है अब वे लोग रूसी सेना के खिलाफ हथियार उठा चुकी है। यहां के लोगों का कहना है कि उनका शहर अगर रूसी सेना के पास चला गया तो वह चुप नहीं बैठेंगे। भले ही यूक्रेन की आर्मी उनकी रक्षा के लिए तैनात है, इसके बावजूद अगर खतरा बढ़ा तो शहर में हर घर की खिड़की से फायरिंग होगी। लिहाजा अब ये साफ हो चुका है कि यूक्रेन में गोरिल्ला वार की तैयारी हो चुकी है। यहां रूसी सेना घुस चुकी है। उसका जवाब देने के लिए लोगों ने कमर करना शुरू कर दिया है।

यूक्रेन के लोगों का कहना है कि रूस की सेना कीव और खारकीव में घुस चुकी है। रूस के टैंक शहर की ओर बढ़ रहे हैं। कीव पर कब्जे की तैयारी हो रही है। ऐसे में लोगों का कहना है कि वह अब मानसिक रूप से तैयार हो रहे हैं। उन्होंने हाथों में हथियार उठा लिए हैं। वह देश की रक्षा करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

48 घंटे पहले जो यूक्रेन घुटनों के बल आ गया था, वह अब फिर से उठ खड़ा हुआ है। क्योंकि यूक्रेन में जिस तरह से हालात बन रहे हैं उन्हें देखकर लग रहा है ये लड़ाई अब गोरिल्ला वार की तरफ बढ़ रही है। अंदेशा जताया जा रहा है कि राजधानी कीव समेत दूसरे शहरों में ये लड़ाई गोरिल्ला वार में तब्दील हो सकती है। क्योंकि यहां लोगों ने हथियार उठा लिए हैं। बता दें कि गोरिल्ला वार में कोई संगठन नहीं होता है, बल्कि लोग छोटे-छोटे गुटों में लड़ाई की जाती है।

बता दें कि हथियार उठाने वाले किसान, व्यापारी, छात्र, आईटी स्पेशलिस्ट को यूक्रेन की सरकार की तरफ से हथियार और नाइट विजन इक्विटमेंट मुहैया कराए हैं। लिहाजा इन लोगों का कहना है कि ये लोग अपने देश की रक्षा के लिए आगे आए हैं। अलग-अलग क्षेत्रों के लोग इसमें शामिल हैं।

यूक्रेन की सरकार की ओर से हाल ही में चेतावनी जारी की गई थी कि रूसी सैनिक हुलिया बदलकर लोगों के बीच आ सकते हैं, ऐसे में स्थानीय लोग काफी अलर्ट हो गए हैं। वह सड़कों पर हथियार लेकर घूम रहे हैं। साथ ही किसी भी संदिग्ध के मिलने पर उसे निशाना बनाया जा सकता है। आम नागरिक अब यूक्रेनी सेना में शामिल हो रहे हैं। यहां कोई भी ऐसा इलाका नहीं है, जो सुरक्षित हो, क्योंकि थोड़ी थोड़ी देर में यहां पर अलर्ट साइरन बज रहे हैं। लगातार हमले हो रहे हैं।

# यूक्रेन का दावा- रूस के 200 से अधिक सैनिकों को बंदी बनाया

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन पर रूस के हमले का रविवार को चौथा दिन है और उसके बाद भी उसके हौंसले बुलंद हैं। यूक्रेन के कई इलाकों में रूसी सैनिक कब्जा करने की कोशिश में जुटी हुई है। फिलहाल, तीसरे दिन की कार्रवाई के बाद यूक्रेन ने दावा किया है कि उसने रूस की सेना को भारी नुकसान पहुंचाया है। साथ ही 200 से अधिक सैनिकों को बंदी बनाने का भी दावा किया गया है।

यूक्रेन की सेना के एक अधिकारी की ओर से सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट में दावा किया गया है कि 200 से अधिक रूसी सैनिकों को बंदी बनाया गया है। इसके अलावा रूस के 16 विमान, 18 हेलिकॉप्टर, 102 टैंक, 540 से अधिक बख्तरबंद वाहनों, बीयूके-1 मिसाइल और 20 यूनिट से अधिक ऑटोमोटिव उपकरण को भी नुकसान पहुंचाया गया है।

सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा गया है कि रूस की मुख्य रणनीति यूक्रेन के छोटे शहरों, गांवों और राजमार्गों पर कब्जा करने की है। शहरी इलाकों में यूक्रेन के सैनिकों की ओर से जवाबी कार्रवाई के चलते रूसी सेना बड़े शहरों पर कब्जा करने में नाकाम रही है। रूस का मुख्य लक्ष्य यूक्रेन की राजधानी कीव शहर को प्रभावित करना है। फिलहाल, रूसी सैनिक आगे बढ़ रही है। रूस की सेना ने वासिलकिव में तेल बेस को क्षतिग्रस्त कर दिया और खार्किव में गैस पाइपलाइन को नष्ट कर दिया है। बहुमंजिला आवासीय भवनों को भी कब्जे में लिया जा रहा है।

बता दें कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग के चौथे दिन रूस की सेना यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्किव में घुस चुकी है। इस दौरान यूक्रेन के लोगों से घरों में रहने की अपील की गई है। साथ ही उन्हें नजदीकी शेल्टर होम में भी जाने की सलाह दी गई है।

# यूरोपीय आयोग का पुतिन को झटका! रूस का वैश्विक व्यापार होगा ठप, लगाई नई पाबंदियां

-स्विफ्ट ग्लोबल पेमेंट सिस्टम से बाहर कर देने का किया ऐलान

जर्मनी (ईएमएस)। युक्रेन पर रूस के आक्रमण को लेकर उसकी आक्रमकता को लेकर उसकी पूरी दुनिया में आलोचना हो रही है ऐसे में संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस, कनाडा, इटली, ग्रेट ब्रिटेन और यूरोपीय आयोग ने रविवार को रूस को स्विफ्ट ग्लोबल पेमेंट सिस्टम से बाहर कर देने का ऐलान किया है। यह एक वैश्विक भुगतान प्रणाली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इसका उद्देश्य इन संस्थानों के अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रवाह को बाधित करना है। यह रूस के वैश्विक व्यापार को बड़े पैमाने पर प्रतिबंधित कर देगा।

रूस लगातार यूक्रेन पर हमले कर रहा है जिसके कारण रूस पर लगातार कई प्रतिबंध लगाए जा रहे है और यह नए प्रतिबंध भी इसी का हिस्सा है।जर्मन सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि, यूक्रेन पर रूस के लगातार हमले हो रहे है जिसके देखते हुए रूस पर यह तीसरा प्रतिबंध लगाया जा रहा है। बता दें कि, इन प्रतिबंधों से रूस पर काफी प्रभाव पड़ेगा क्योंकि, रूस तेल और गैस के निर्यात के लिए काफी हद तक स्विफ्ट बैंकिंग प्रणाली पर निर्भर है।

हालांकि, इससे न केवल रूस को नुकसान पहुंचेगा बल्कि इसका असर रूस के साथ व्यापार करने वालों को भी होगा जिसमें कई पश्चिमी देश भी शामिल हैं। रूस पर लगाए गए इस नए प्रतिबंध को लेकर यूक्रेन के प्रधानमंत्री डेनिस शमीहाल ने ट्वीट कर कहा कि, हम अन्य देशों द्वारा रूस पर लगाए गए इन इन प्रतिबंधों की सराहना करते है और इस संकट के समय यह यूक्रेन के लिए बड़ी मदद है।

मालूम हो कि, स्विफ्ट का पूरा नाम 'सोसायटी फॉर वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनेंशियल टेलीकम्यूनिकेशन है। बेल्जियम में स्थित यह एक बेहद ही सुरक्षित मैसेजिंग प्रणाली है। इससे पैसों के लेनदेन सीमा पार अन्य देशों के साथ बड़ी आसानी से किया जाता है और दुनिया की लगभग 11000 से ज्यादा बैंकों और वित्तीय संगठनों के साथ वित्तीय लेनदेन की सुविधा भी इसी से मिलती है। इससे देश और विदेश का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापार सुरक्षित तरीके से होता है।

# पुतिन के आदेश पर रूस के परमाणु हथियार हुए तैयार, कीव को घेरकर हो रहे हमले, नाटो प्रमुख ने धमकी को गैर-जिम्मेदाराना बताया

कीव। रूस की ओर से यूक्रेन पर हमले के बाद तनाव पूरे यूरोप में फैलता नजर आ रहा है। हालात दिनों-दिन बिगड़ते जा रहे हैं। समाचार एजेंसी पीटीआइ के मुताबिक पश्चिमी देशों के साथ बढ़ते तनाव को देखते हुए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रूस के परमाणु रोधी बलों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दे दिए हैं। जाहिर है यदि रूस और पश्चिमी मुल्कों के कदम शांति की ओर नहीं बढ़े तो नौबत परमाणु युद्ध तक भी पहुंच सकती है। हालांकि सुलह समझौते की कोशिशें भी तेज हो गई हैं। समाचार एजेंसी पीटीआइ के मुताबिक रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने रविवार को शीर्ष अधिकारियों के साथ हुई एक बैठक में रक्षा मंत्री और मिलिट्री जनरल स्टाफ के प्रमुख को आदेश दिया कि परमाणु रोधी बलों को युद्ध के लिए तैयार रखा जाए। इस बैठक में पुतिन ने इस बात पर जोर दिया कि नाटो के प्रमुख सदस्य देशों ने 'आक्रामक बयान' दिए हैं।

वहीं नाटो प्रमुख जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन परमाणु चेतावनी को 'खतरनाक' और 'गैर-जिम्मेदार' बताया है। समाचार एजेंसी रायटर की रिपोर्ट के मुताबिक नाटो प्रमुख ने कहा कि यह खतरनाक बयानबाजी है। यह एक गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार है। यह स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है।

यूक्रेन की राजधानी कीव को चारों ओर से घेरकर गोलाबारी, आसमानी रास्ते से मिसाइल हमलों और दूसरे बड़े शहर खार्कीव में घुसे रूसी सैनिकों को दिन भर की लड़ाई में बाहर करने के बाद रविवार शाम राहत की खबर आई। बेलारूस में रूस के वार्ता के प्रस्ताव को शुरू में नकारने के कुछ घंटे बाद यूक्रेन बात करने को राजी हो गया। रूस ने वार्ता के दौरान हमले न रोकने का एलान किया है लेकिन रूसी राष्ट्रपति पुतिन के खास बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंकों ने यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल को पूरी सुरक्षा देने का आश्वासन दिया है।

रूस ने वार्ता के लिए उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल बेलारूस भेज दिया है। इससे पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने परमाणु हथियारों की जिम्मेदारी संभालने वाली रणनीतिक बल को हाई अलर्ट पर करने का आदेश दिया था और वार्ता न करने पर यूक्रेन को भारी खूनखराबे की चेतावनी दी थी। पुतिन ने राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा कि पश्चिमी देश प्रतिबंध लगाकर आर्थिक क्षेत्र में रूस के साथ शत्रुतापूर्ण व्यवहार कर रहे हैं। पुतिन ने अपने संबोधन में नाटो के आक्रामक बयानों का भी जिक्र किया।

तेजी से बदलते घटनाक्रम में रविवार को रूस ने बेलारूस में अपना प्रतिनिधिमंडल भेजते हुए वार्ता के लिए फैसला लेने को यूक्रेन सरकार को दो घंटे का समय दिया। कहा कि वार्ता न होने की स्थिति में यूक्रेन में होने वाले खूनखराबे की पूरी जिम्मेदारी यूक्रेनी सरकार की होगी। दोनों देशों की वार्ता यूक्रेन-बेलारूस सीमा पर प्रिपयात नदी के किनारे होगी। वार्ता के लिए कोई शर्त नहीं रखी गई है। इस बीच इजरायल के प्रधानमंत्री नाफ्ताली बेनेट ने रूसी राष्ट्रपति से फोन पर वार्ता कर मध्यस्थता की पेशकश की। अमेरिका के खास इजरायल के प्रस्ताव पर अभी रूस की प्रतिक्रिया नहीं आई है।

खार्कीव में घुसे रूसी सैनिकों से रविवार को पूरे दिन यूक्रेन के सैनिक भिड़े रहे। भारी खूनखराबे और नुकसान के बाद शाम को यूक्रेनी सेना रूसी सैनिकों को बाहर करके खार्कीव को बचाने में कामयाब रही। लड़ाई के दौरान रूसी सैनिकों के हमले में गैस की मोटी पाइपलाइन फट गई है। इससे बड़े इलाके में आग फैल गई है। आग को नियंत्रित किया जा रहा है। रीजनल गवर्नर ओलेह साइनेगुबोव ने खार्कीव पर पूरा नियंत्रण होने की बात कही है। एक अन्य शहर वैसिलकीव के आयल टर्मिनल में रूस के मिसाइल हमले से आग लग गई। इससे आग की ऊंची लपटें उठ रही हैं और उसका धुआं आसमान पर छा गया है।

# ज्ञान के प्रकाश पुंज से आत्मनिर्भर भारत का मार्ग प्रशस्त करें छात्र: मुख्यमंत्री

अहमदाबाद ( ईएमएस ) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के युवा छात्रों से आह्वान किया कि वे अपने अर्जित ज्ञान का राष्ट्र और राज्य के विकास में सदुपयोग कर ज्ञान के प्रकाश पुंज से आत्मनिर्भर भारत के प्रधानमंत्री के स्वप्न को साकार करें। राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी की अध्यक्षता और शिक्षा मंत्री जीतूभाई वाघाणी की उपस्थिति में रविवार को अहमदाबाद में आयोजित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी के 7वें दीक्षांत समारोह में लगभग 15 हजार उपाधि धारकों को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही। डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी के सातवें दीक्षांत समारोह में 20 छात्रों को पीएचडी, 3172 को परास्नातक, 6789 को स्नातक, 181 को परास्नातक डिप्लोमा और 5299 को डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट सहित कुल 15,461 उपाधियां प्रदान की गई। इसके अलावा, 37 छात्रों को स्वर्ण पदक, 35 को रजत पदक और 35 छात्रों को रैंक सर्टिफिकेट से नवाजा गया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की स्मृति में स्थापित राज्य की एकमात्र ओपन यूनिवर्सिटी शिक्षा, संस्कृति और सद्भावना के दिशाबोधक धाम के तौर पर राज्य के गतिशील शहरों से लेकर दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों के जन समूहों तक घर बैठे ज्ञान गंगा पहुंचा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस यूनिवर्सिटी ने विभिन्न अभ्यास केंद्रों के जरिए राज्य में शिक्षा हासिल करने को इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए बिना लंबा सफर किए स्थानीय स्तर पर समयानुकूल शिक्षा के द्वार खोल दिए हैं। पटेल ने इस बात पर हर्ष व्यक्त किया कि वर्तमान कोरोना महामारी के समय ऑनलाइन-दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी नए ज्ञान और कौशल, क्षमता वर्धन तथा करियर निर्माण के लिए घर बैठे उचित अवसर मुहैया कराकर राष्ट्र निर्माण में छात्र शक्ति को प्रेरित कर रही है। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले युवा छात्रों को 'आजादी का अमृत महोत्सव' के इस वर्ष में मिले सामाजिक जीवन में पदार्पण के अवसर को उन्नत भारत के निर्माण की प्रतिबद्धता का अवसर करार दिया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक ज्ञान की धारा को परखते हुए गुजरात में उनके मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान विभिन्न सेक्टरल यूनिवर्सिटियों की स्थापना कर राज्य के युवाओं को वैश्विक शिक्षा का अवसर प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में गुजरात में शिक्षा के क्षेत्र में हुई क्रांति ने देश में गुजरात की युवा शक्ति की विशेषता को साबित किया है। पिछले ढाई दशक में राज्य में 83 से अधिक यूनिवर्सिटियों ने युवा शक्ति को स्थानीय स्तर पर विश्वस्तरीय शिक्षा प्रदान कर दुनिया के सामने आंख से आंख मिलाकर खड़ा रहने को तैयार किया है। खाद्य और पोषण विषय के छात्रों को विशेष मार्गदर्शन देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती समय की मांग है। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी प्राकृतिक खेती की मुहिम छेड़ी है, तब गुजरात भी प्राकृतिक खेती के मार्ग का विस्तार कर रहा है। उन्होंने छात्रों से भी समाज में प्राकृतिक खेती का दायरा बढ़ाने का अनुरोध किया।

शिक्षा मंत्री जीतूभाई वाघाणी ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी छात्रों को बधाई देते हुए जीवन की चुनौतियों का कौशल निर्माण के जरिए सामना कर सक्षम बनने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि अन्य कार्यों में व्यस्त व्यक्ति के लिए भी इस ओपन यूनिवर्सिटी में पढ़ाई की गुंजाइश है। वाघाणी ने कहा कि आज शिक्षा जगत और ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में गुजरात का छात्र पीछे न छूट जाए, वैश्विक चुनौतियों का सामना करे और परिस्थिति के अनुसार वह और भी अधिक सुसज्ज और सफल बने उसके लिए नवीन दृष्टिकोण वाली यूनिवर्सिटियों की स्थापना गुजरात सरकार द्वारा की गई अत्यंत सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में सर्वाधिक नुकसान शिक्षा क्षेत्र का हुआ है। इस महामारी में भी गुजरात का छात्र शिक्षा से वंचित न रहे उसके लिए ऑनलाइन माध्यम से भी छात्रों को शिक्षा उपलब्ध कराने की सभी जरूरी व्यवस्था करने में सरकार सफल रही है। इस दौरान डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी द्वारा भी सफल आयोजन करने के लिए उन्होंने बधाई दी। नई शिक्षा नीति के प्रोत्साहक परिणामों को लेकर आश्वस्त शिक्षा मंत्री ने सभी छात्रों को बिना आत्मविश्वास गंवाए, निरंतर कड़ी मेहनत से करियर निर्माण की राह पर आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दी।

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. कुबेरभाई डिंडोर ने कहा कि 1994 में गुजरात द्वारा स्थापित एकमात्र यूनिवर्सिटी की स्थापना के आज 24 वर्ष पूरे हुए हैं और आज यह यूनिवर्सिटी आत्मनिर्भर बनकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को साकार कर रही है। नई शिक्षा नीति तैयार करने में भी डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर यूनिवर्सिटी का अहम योगदान रहा है। दीक्षांत समारोह के साथ-साथ यूनिवर्सिटी के 'ज्योतिर्मय' परिसर में नवनिर्मित 'अगस्त्य अतिथि निवास' तथा 'मैत्रेय मूल्यांकन भवन' का उद्घाटन भी किया गया।

# भाजपा की तारीफ करनेवाले कलाकारों से दूरी बनाएं कांग्रेसी नेता : रघु शर्मा

देवभूमि द्वारका ( ईएमएस ) गुजरात कांग्रेस के प्रभारी और राजस्थान सरकार के मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने आज कहा कि भाजपा की शान में कशीदे पढ़ने वाले कलाकारों से कांग्रेसी नेताओं को दूरी बनाने की जरूरत है। गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले देवभूमि द्वारका में गुजरात कांग्रेस द्वारा आयोजित तीन दिवसीय चिंतन शिबिर के अंतिम दिन डॉ. रघु शर्मा ने प्रदेश समिति को आगामी मार्च महीने में संघर्ष के कार्यक्रम करने, युवा कांग्रे, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस और सेवादल इत्यादि के प्रकोष्ठ तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महंगाई के मुद्दे को लेकर महिला कांग्रेस, बेरोजगारी को लेकर युवक कांग्रेस, पेपर लीककांड के मुद्दे पर एनएसयूआई कार्यक्रम तैयार करें। कार्यक्रम के तारीकें प्रदेश कांग्रेस तय करेगा। चिंतन शिबिर के आखिरी दिन लोक संगीत को लेकर भी कड़ा फैसला किया गया। फैसला किया गया है अब से लोक संगीत के दौरान भाजपा की शान में कशीदे पढ़ने वाले कलाकारों को स्टेज पर जाकर रोका जाएगा। साथ ही भाजपा की तारीफ करनेवाले किसी भी कलाकार को कांग्रेस के नहीं बुलाएंगे। बता दें कि देवभूमि द्वारका में 25 फरवरी से प्रारंभ हुई कांग्रेस की चिंतन शिबिर के दूसरे दिन यानी 26 फरवरी को पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी इसका हिस्सा बने। देवभूमि द्वारका पहुंचने के बाद राहुल गांधी ने भगवान द्वारकाधीश के मंदिर में पूजा अर्चना की। बाद में चिंतन शिबिर स्थल पर गुजरात कांग्रेस के नेता के साथ बंद कमरे में बैठक की थी। जिसमें गुजरात कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर, कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल, विपक्ष के नेता सुखराम राठवा, पूर्व प्रमुख भरतसिंह सोलंकी, अमित चावडा, अर्जुन मोढवाडिया, सिद्धार्थ पटेल इत्यादि मौजूद रहे।

# राहुल गांधी गुजरात में कांग्रेस की अंतिम वापसी का फेरा लगाने आए थे : जीतु वाघाणी

अहमदाबाद ( ईएमएस ) गुजरात के शिक्षा मंत्री जीतु वाघाणी ने कांग्रेस की प्रभात फेरी के आयोजन पर कहा कि 2022 में कांग्रेस की रिटर्न फेरी तय है। राहुल गांधी गुजरात में कांग्रेस की अंतिम वापसी का फेरा लगाने आए थे। बता दें कि भगवान श्रीकृष्ण की नगरी देवभूमि द्वारका कांग्रेस की तीन दिवसीय चिंतन शिबिर के दूसरे दिन राहुल गांधी ने शिरकत की और महंगाई, बेरोजगारी और कानून-व्यवस्था समेत आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर पार्टी नेताओं को मार्गदर्शन दिया। भाजपा की करतूतों का पर्दाफाश करने और लोगों को जागृत करने के लिए कांग्रेस ने प्रभात फेरी अभियान चलाने का आयोजन किया है। कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए प्रभात फेरी की रणनीति बनाई है, ताकि रातों रात धनवान बनने वाले भाजपा नेताओं का पर्दाफाश किया जा सके। कांग्रेस की प्रभात फेरी और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर जीतु वाघाणी ने कहा कि जब चुनाव आते हैं तब कांग्रेस नए नए अभियान शुरू कर देती है। लेकिन 2022 में कांग्रेस की रिटर्न फेरी पक्की है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी गुजरात में कांग्रेस की अंतिम रिटर्न फेरी करने आए थे। आगामी विधानसभा चुनाव में भी गुजरात की जनता ने भाजपा विजय बनाने का मन बना लिया है। राज्य में 28 वर्ष से विकास को जनता ने आशीर्वाद दिया है। देश में नरेन्द्र मोदी और अमित शाह का गौरवशाली नेतृत्व है। वाघाणी ने कहा कि कांग्रेस हर बार चुनाव आने पर लोगों को बहलाने का प्रयास करती है और हर बार उसे मुंह की खानी पड़ती है। राहुल गांधी आते रहते हैं और फिर एक बार कांग्रेस की रिटर्न फेरी करने आए थे।

# राष्ट्रधर्म के साथ परोपकार और परमार्थ के लिए समाज जीवन को प्रेरणा देता है श्री स्वामीनारायण संप्रदाय: राज्यपाल

राजनीति और धर्म शक्ति का समन्वय हो तो उसकी उन्नति कुछ अलग ही होती है: मुख्यमंत्री

अहमदाबाद ( ईएमएस ) गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि स्वामीनारायण संप्रदाय राष्ट्रधर्म के साथ परोपकार और परमार्थ के लिए समाज जीवन को प्रेरणा देता है। यह बात उन्होंने श्री स्वामीनारायण मंदिर-कालूपुर, अहमदाबाद की ओर से आयोजित द्विशताब्दी पर्व महोत्सव को संबोधित करते हुए कही। राज्यपाल ने कहा कि भगवान स्वामीनारायण ने शिक्षा पत्री जैसे पवित्र ग्रंथ के माध्यम से उपदेश देकर सात्विक जीवन की कला का दर्शन कराया है। उन्होंने कहा कि स्वामीनारायण संप्रदाय ने राष्ट्रवादी और भारतीय जीवन मूल्यों से संपन्न युवा पीढ़ी के निर्माण के लिए पुरुषार्थ किया है। उन्होंने कहा कि भौतिक जीवन के सुख का त्याग कर स्वामीनारायण संप्रदाय के संतों ने लोगों के कल्याण के लिए संसार का त्याग कर समाज कल्याण को ही अपने जीवन का लक्ष्य बनाया है। यह हमारा गौरव और सौभाग्य है कि संत धर्म के संस्कार, जीवन मूल्य और भारतीय संस्कृति के साथ-साथ पूरे समाज को जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। देवव्रत ने स्वामीनारायण संप्रदाय के जल संचय, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, गुरुकुल शिक्षा प्रणाली, व्यसन मुक्ति, सात्विक आहार के प्रति जागृति और प्राकृतिक कृषि जन अभियान जैसे लोक कल्याण कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज रासायनिक कृषि से समूची दुनिया त्रस्त हो चुकी है। ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्या में रासायनिक खेती का योगदान लगभग 24 फीसदी है। दूषित आहार के कारण लोग कैंसर जैसे असाध्य रोगों का शिकार बन रहे हैं। रासायनिक खाद और कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग से जमीन की उर्वरता क्षीण हो रही है। कृषि खर्च लगातार बढ़ते जा रहा है और उत्पादन निरंतर कम होते जा रहा है। कुल मिलाकर किसानों की आर्थिक स्थिति बिगड़ती जा रही है। रासायनिक कृषि के दुष्परिणाम से मुक्ति का मजबूत विकल्प प्राकृतिक कृषि ही है। राज्यपाल ने कहा कि प्राकृतिक कृषि से जल, जमीन और पर्यावरण का संरक्षण होता है। जमीन की उर्वरा शक्ति बढ़ती है, पानी की बचत होती है और स्वास्थ्यप्रद आहार मिलता है। यही नहीं, कम लागत पर गुणवत्तायुक्त उत्पादन भी मिलता है और अंततः किसानों को आर्थिक फायदा होता है। राज्यपाल ने प्राकृतिक कृषि को समाज के कल्याण का ईश्वरीय कार्य करार देते हुए प्राकृतिक कृषि के साथ अधिक से अधिक किसानों को जोड़ने का अनुरोध भी किया।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि राजनीति और धर्म शक्ति का समन्वय हो तो उसकी उन्नति कुछ अलग ही होती है। राजनीति में आगे बढ़ने की प्रक्रिया में कुछ गलतियां होने की संभावना रहती है, और इस गलती के बारे में साधु-संत ही बताते हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा और कोरोना जैसी विकट परिस्थिति के दौरान स्वामीनारायण संप्रदाय हमेशा सरकार के साथ खड़ा रहा है। संतों ने मदद की ऐसी भावना का संस्कार सिंचन इस संप्रदाय से जुड़े लोगों में किया है। विज्ञान और धर्म दोनों एक-दूसरे के साथ जुड़े रहें तभी उम्दा परिणाम मिल सकता है। पटेल ने कहा कि कालूपुर मंदिर का निर्माण 200 वर्ष पूर्व स्वयं भगवान ने किया था। कालूपुर स्वामीनारायण मंदिर हमारी बड़ी धरोहर है। स्वामीनारायण संप्रदाय के लोग सीधे हरि के साथ जुड़े होने के कारण उन्हें हरिभक्त कहा जाता है। आज समाज में व्यसन सहित अनेक बुराइयां बढ़ती जा रही हैं, लेकिन संतों के आशीर्वाद से ये बुराइयां अभी हरिभक्तों के घर तक नहीं पहुंच पाई है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि गुजरात के समग्र विकास के लिए इस सरकार ने हर सोमवार एवं मंगलवार को सरकार के दरवाजे जनता के लिए खोल दिए हैं। उन्होंने कहा कि इन दिनों के दौरान सुदूरवर्ती क्षेत्र के हर तबके का व्यक्ति अपनी शिकायत लेकर गांधीनगर स्थित सचिवालय आ सकता है। उसकी समस्या या शिकायत को सुना भी जाता है। इसके पीछे की वजह जन कल्याण को प्राथमिकता देने का सरकार का उम्दा इरादा है। इस सरकार का लक्ष्य मुद्दों का समाधान कर गुजरात का सर्वांगीण विकास और उम्दा भविष्य का निर्माण करना है।

# छात्रों में नैतिकता और जीवन मूल्यों का निर्माण करने वाली शिक्षा की आवश्यकता: राज्यपाल

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी का 7वां दीक्षांत समारोह

अहमदाबाद ( ईएमएस ) राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी के सातवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हमें ऐसी शिक्षा की आवश्यकता है जिसमें भौतिक विकास के साथ-साथ छात्रों में नैतिकता एवं जीवन मूल्यों का भी निर्माण हो। जीवन मूल्यों के निर्माण के बिना शिक्षा के अधूरी होने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि युद्ध के मूल में शिक्षा का यही अधूरापन ही कारण है। राज्यपाल ने भारतीय संस्कृति में शिक्षा को हमेशा सबसे आगे बताते हुए कहा कि प्राचीन गुरुकुल शिक्षा पद्धति में ऋषि-गुरु प्रकृति की गोद में शिष्यों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा देते थे और सच्चे अर्थ में श्रेष्ठ मानव का निर्माण होता था। उन्होंने आगे कहा कि भौतिक विकास के साथ-साथ आज मानव संकीर्णता की ओर बढ़ रहा है, युवा व्यसन का शिकार बन रहे हैं, ऐसे में यह आवश्यक है कि युवा सुसंस्कृत, कौशलवान और ज्ञान संपन्न बनकर जीवन-पथ पर आगे बढ़ें। देवव्रत ने कहा कि विश्व बंधुत्व का भाव और मानव कल्याण हमारी संस्कृति के केंद्र में हैं इसलिए ही भारत देश पूरी दुनिया के कल्याण के लिए कार्य करता है। यदि भारत देश मजबूत और समर्थ होगा, तो विश्व कल्याण का भाव भी मजबूत होगा। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की स्वतंत्रता की 75वीं सालगिरह के अवसर पर 'आजादी का अमृत महोत्सव' के माध्यम से देशभर में एक नव जागृति का जन अभियान चलाया है। सबल, सक्षम और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के संकल्प के साथ देश में नूतन परिवर्तन आ रहा है। भारत ने चंद महीनों में कोरोना वायरस से बचाव के लिए वैक्सीन का आविष्कार कर मानव कल्याण की हमारी भावना को बलवती बनाया है। राज्यपाल ने कहा कि रासायनिक कृषि के दुष्परिणामों से मुक्ति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशभर के किसानों से प्राकृतिक कृषि को अपनाने का आग्रह किया है। उन्होंने आत्मनिर्भर किसान और आत्मनिर्भर कृषि के लिए प्राकृतिक कृषि को मौजूदा समय की मांग करार दिया। प्राकृतिक कृषि से जल, जमीन और पर्यावरण की रक्षा होती है और भूमि की उर्वरता बढ़ने के साथ ही स्वास्थ्यप्रद आहार मिलने से लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा होती है। उन्होंने युवाओं को इस जन अभियान में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि यह एक ऐसी पद्धति है जिसमें कम कृषि खर्च पर गुणवत्ता युक्त उत्पादन हासिल किया जा सकता है। इस अवसर पर राज्यपाल ने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न प्रयासों के मार्फत अधिकाधिक लोगों को शिक्षा से जोड़ने के लिए बधाई दी।

## भयंकर बीमारी ने गुजरात को बंधक बनाया

# गुजरात में गुलियन बारी सिन्ड्रोम से पहली मौत हुई

वडोदरा, २७ फरवरी।

कोरोना के बाद गुजरात में जिस बीमारी ने हाहाकार मचा रहा है, उसने पहला शिकार बनाया है। गुजरात में फिलहाल फैल रही गुलियन बारी सिन्ड्रोम से पहली मौत हुई है। जीबीएस से पीड़ित महीसागर की बच्ची का एसएसजी में मौत हुई है। अब यह मौत से हेल्थ विभाग सक्रिय हो गया है। जिला हेल्थ टीम ने मृतक के घर की मुलाकात ली है। अभी पूरा विश्व कोरोना महामारी के चपेट से बाहर नहीं निकल सका है। अब गुजरात में एक भयंकर बीमारी देखने को मिली है। राज्य के पंचमहाल में क्स-सिन्ड्रोम के केस मिल जाने पर दहशत फैल गई है। यह बीमारी की चपेट में गोधरा और शहेरा के धारापुर गांव के लोग प्रभावित हुए हैं। क्स-सिन्ड्रोम को फैलने से रोकने के लिए हेल्थ विभाग सक्रिय हो गया है और इसने सेम्पलिंग लेने का काम शुरू कर दिया चपेकट हेल्थ विभाग ने सेम्पलिंग लेने का काम शुरू कर दिया है। पंचमहाल में सिन्ड्रोम के जो ८ केस मिल गये है, यह मरीज फिलहाल निजी अस्पताल में उपचार के तहत है। यह बीमारी की चपेट में अधिकतर बच्चे ही शामिल है। पंचमहाल में फैली हुई क्स-सिन्ड्रोम बीमारी की हिस्ट्री के बारे में बात करे तो १८ फरवरी को तीन केस का रिपोर्ट आया था। इसके बाद धीरे धीरे केस का आंकड़ा आठ पर पहुंच गया था अब यह बीमारी ने एक बच्ची को शिकार बनाया है। गुलियन बारी सिन्ड्रोम एक स्वप्रतिरक्षित बीमारी है। स्वप्रतिरक्षित बीमारी में शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली स्वस्थ्य चेतातंतु पर हमला करने लगता है। शरीर में कमजोरी का हमेशा अनुभव होने लगता है। जबकि हाथ और पैर पर सूजन आने लगता है। समय के साथ ही गुलियन बारी सिन्ड्रोम का विकास संपूर्ण शरीर में फैल जाता है। शुरूआत में यह बीमारी से श्वसनतंत्र और सांस से संबंधित मुश्किल पैदा होती है। इसके बाद पूरा शरीर लकवाग्रस्त होने लगता है।

# रोड रिसरफेसिंग के मटिरियल के लिए AMC प्लांट खड़ा करेगी

अहमदाबाद, २७ फरवरी।

शहर के छोटे-बड़े रोड रिसरफेस करने के लिए कामकाज में तेजी लाने के लिए म्युनिसिपल कमिश्नर ने ग्यासपुर में म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का अपना होटमिक्स प्लांट बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके लिए पश्चिम जोन के एडिशनल सिटी इंजीनियर को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है। मिली जानकारी के अनुसार, पिछले दो वर्ष से कोरोना महामारी की वजह से रोड रिसरफेसिंग का काम भी ठप हो गया था। दो वर्ष में बारिश और अन्य वजह से रोड की सरफेस खराब हो गई थी और कई रोड उबडखाबड हो गये हैं। इसी वजह से वाहन चालकों को परेशानी हो रही है और रिपेरिंग नहीं होने पर उनमें नाराजगी है। गुजरात हाईकोर्ट ने भी रोड की खराब हालत की गंभीरता को लेकर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को फटकार लगाई है। शहर में रोड रिसरफेस के कामकाज मामले में पूछे जाने पर कॉर्पोरेशन के इंजीनियर विभाग के सूत्रों ने कबूला है कि, कोरोना पहले भी शहर के सभी रोड रिसरफेस नहीं हो सके हैं, प्रत्येक जोन और वॉर्ड में कुछ-कुछ रोड ही रिसरफेस होते है। कोरोना काल में म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की आर्थिक परिस्थिति कमजोर हुई थी। इसके अलावा बजट के कद में वृद्धि होने पर खर्च बढ़ गया था, जिसकी वजह से रोड रिसरफेस का काम करते कॉन्ट्रैक्टरों को समय पर बिल नहीं चुकाया गया था। इसी वजह से रोड रिसरफेसिंग का काम हाल धीमी गति से चल रही है। यह मुद्दा म्युनिसिपल कमिश्नर और शासक पक्ष भाजपा के पदाधिकारियों के ध्यान में आने पर उन्होंने म्युनिसिपल का ही होटमिक्स प्लांट लगाकर इसमें से रिसरफेस के लिए जरूरी मटिरियल देकर निजी कॉन्ट्रैक्टर से रोड के काम कराने का निश्चय किया गया है। हालांकि पहले ग्यासपुर में पीपीपी स्तर पर एक प्लांट लगाया गया था लेकिन अपेक्षा के अनुसार परिणाम नहीं मिला।

# प्रधानमंत्री की प्रेरणा, प्रयास और आह्वान से आज ऊर्जावान बना सहकारी क्षेत्र: मुख्यमंत्री

भूपेंद्र पटेल ने किया द असलाली सेवा सहकारी मंडली के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन

अहमदाबाद ( ईएमएस ) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को अहमदाबाद के निकट असलाली में सहकारी मंडली के नए भवन का उद्घाटन करते हुए कहा कि असलाली सहकारी मंडली का यह नया 'घनश्याम अमीन सहकार भवन' आगामी समय में सेवा गतिविधियों का केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि असलाली की सहकारी मंडली जैसी अनेक मंडलियों की उपलब्धियां ही गुजरात के सहकारी क्षेत्र के विकास को दर्शाती है, जो हम सभी के लिए गौरव की बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात के पशुपालकों और दूध संघों के लिए उपयोगी विभिन्न सरकारी सहायताओं के चलते आज गुजरात की सहकारी मंडलियों ने एक विशिष्ट पहचान स्थापित की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पहली बार केंद्र सरकार द्वारा सहकारिता विभाग के गठन की पृष्ठभूमि में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा, प्रयास और आह्वान से आज सहकारी क्षेत्र ऊर्जावान बना है। नरेन्द्र भाई जानते थे कि यदि सहकारी क्षेत्र मजबूत होगा, तो राज्य भी मजबूत बनेगा। इस संदर्भ में पटेल ने कहा कि यदि राज्य के सभी छोटे गांव आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम करेंगे तो गुजरात आत्मनिर्भर बनेगा और 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' का संकल्प भी साकार होगा।

सहकारिता मंत्री जगदीश विश्वकर्मा ने कहा कि आजादी के 75 वर्ष बाद देश में जिस सहकारिता विभाग की जरूरत थी, उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुरू कर 'सहकार से समृद्धि' के मंत्र को साकार करने की एक नई दिशा दी है। उन्होंने सहकारी मंडलियों को मजबूत करने के लिए मंडलियों की ओर से नए इनोवेटिव आइडिया लेकर आने का अनुरोध भी किया। इस अवसर पर घनश्याम अमीन ने कहा कि 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत देश में सहकारी क्षेत्र में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है जो आगामी समय में सहकारी क्षेत्र को और भी आगे ले जाएगा।

द असलाली सेवा सहकारी मंडली के निदेशक अजीत पटेल ने स्वागत भाषण में 'द असलाली सेवा सहकारी मंडली' के विषय में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने घनश्याम अमीन के जीवन पर आधारित पुस्तक 'मारुं जीवन अंजलि थाजो' का विमोचन किया। कार्यक्रम के तहत 'महा मेगा मेडिकल चेकअप' कैंप का आयोजन भी किया गया।

# वीएचपी द्वारा बाइक रैली से कारसेवकों को श्रद्धांजलि दी गई

पंचमहाल, २७ फरवरी।

२७ फरवरी पूरा गुजरात और देश के लिए भी खराब दिन साबित हुआ आज के दिन वर्ष २००२ में गोधरा साबरमती ट्रेन हत्याकांड की घटना हुई थी। जिसमें ५९ कारसेवकों को ट्रेन के डिब्बे में ही जिंदा जला दिया था। आज दिन यह भीषण घटना को २० वर्ष पूरे हुए है। घटना में मारे गये ५९ कारसेवकों को आज २०वीं पुण्यतिथि के मौके पर विश्व हिंदू परिषद द्वारा बाइक रैली आयोजित करके प्रतिकात्मक श्रद्धांजलि दी गई है। पंचमहाल जिले के गोधरा में आज से २० वर्ष पहले २७ फरवरी २००२ को अयोध्या से साबरमती एक्सप्रेस के द्वारा वापस आ रहे ५९ कारसेवकों को गोधरा ए कैबिन के पास ट्रेन के एस ६ कोच को आग लगाकर जिंदा जला दिया गया था। जिसमें ५९ कारसेवकों को मौत हुई थी। जिसके बाद पूरे गुजरात में दंगे शुरू हो गये थे। साबरमती ट्रेन हत्याकांड की जांच करने के लिए सरकार द्वारा विशेष एसआईटी का गठन किया गया था। जिसमें समय-समय पर फैसला भी दिया गया है और आरोपियों को सजा भी सुनाई गई है। पूरे केस को लेकर १०० आरोपियों में से कई आरोपियों की मौत हो चुकी है और कई अभी जेल में सजा काट रहे हैं। जबकि कुछ आरोपी अभी भी मिलते जुलते नामों को लेकर फरार है। अब आज साबरमती ट्रेन हत्याकांड की २०वीं पुण्यतिथि को लेकर विश्व हिंदू परिषद द्वारा गांधी चौक से कारसेवकों की आत्मा को शांति मिले इसके लिए रैली आयोजित की गई थी। गोधरा रेलवे यार्ड में रखे साबरमती एक्सप्रेस के एस-६ कोच में पहुंचे थे, जहां कोच के पास फुलहार अर्पित करके श्रद्धांजलि दी गई थी और रामधुन की गई। मृतकों की आत्मा को शांति मिले इसके लिए प्रार्थना की थी, ट्रेन हत्याकांड की पुण्यतिथि को लेकर गोधरा में कोई घटना नहीं हो इसके लिए पुलिस का बंदोबस्त किया गया है। साबरमती ट्रेन का एस-६ कोच में भी पुलिस द्वारा कड़ा बंदोबस्त किया गया है जो स्टेशन के पास सुरक्षित रखा गया है।

# शहीद मेजर रामाणी से प्रेरित होकर लिया एनडीए में प्रवेश

अहमदाबाद, २७ फरवरी।

अहमदाबाद शहर के बापूनगर क्षेत्र में रहते और रिक्शा चलाकर गुजारा करते मुकेश श्रीमाली का बेटा हेमल श्रीमाली बचपन से ही सैनिक बनना चाहता था। स्कूल के एक कार्यक्रम के दौरान शहीद मेजर रामाणी के पिता ने सैनिक स्कूल में प्रवेश लेने के लिए प्रोत्साहित किया था। हेमल ने एनडीए पुने में प्रवेश लिया है। बेटे का सपना साकार होते हुए देखकर इसके मां-पिता काफी खुश है। उनके लिए यह गर्व की बात है। अहमदाबाद शहर के बापूनगर क्षेत्र में रहते हेमल श्रीमाली जबकि स्कूल में पढ़ाई कर रहा था तब शहीद मेजर रिषिकेश रामाणी के पिता वल्लभ रामाणी के द्वारा अकादमिक उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार मिला था। उस समय में वल्लभ रामाणी ने हेमल को सैनिक स्कूल के लिए परीक्षा देने के लिए प्रोत्साहित किया था। वल्लभ रामाणी की बात मानकर हेमल ने परीक्षा दी और पास हुआ। इतना ही नहीं वर्ष २०२१ के अंत में उसने नेशनल डिफेंस अकादमी की परीक्षा भी पास की थी। फिलहाल में ही इसने महाराष्ट्र के पुना शहर के पास स्थित खडकवासला में एनडीए में प्रवेश मिला है। उल्लेखनीय है कि, हेमल के पिता मुकेश शहर में रिक्शा चलाते है। उनको अपने बेटे पर गर्व है। वह कहते है कि, हमेल परिवार का पहला ऐसा सदस्य है जो यूनिफॉर्म पहनेगा। मुकेश श्रीमाली बताते है कि, मेरे ससुर राज्य पुलिस में कार्यरत थे और मैं भी होमगार्ड में स्वैच्छिक काम करता था। लेकिन मेरी पत्नी जिस शहीदों की बातें हेमल को कहती थी इसकी वजह से वह काफी प्रेरित हुआ है। वह जबकि बालमंदिर में था और पूछा गया था कि वह बड़ा होकर क्या बनना चाहता है तो उसने वहां सैनिक लिखा था। अब जबकि उसने एनडीए में प्रवेश लिया है यह हमारे के लिए काफी भावनात्मक बात है। आखिर में इसका बचपन का सपना साकार हुआ है। वल्लभ रामाणी बताते है कि, हेमल एक होशियार विद्यार्थी है।

## गत शुक्रवार से भवनाथ मेले का प्रारंभ हुआ है

# २ वर्ष के बाद आयोजित भवनाथ मेले में भक्तों की भारी भीड़ लगी

## भवनाथ मेले में आते भक्तों को खाना, पीना और रहने सहित की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है

जूनागढ़, २७ फरवरी।

भजन और भोजन यानी कि भवनाथ का मेला। अब २ वर्ष में विश्व प्रसिद्ध भवनाथ मेले का आयोजन हुआ है। अब यहां भक्तों की भारी भीड़ लगी है यह देखने से लगता है कि यह पांच दिन के मेले में अभी भी लाखों भक्त पहुंचेंगे। दो दिन में यहां लाखों भक्तों ने भवनाथ दादा के दर्शन किए हैं। भवनाथ के मेले में दूर से दूर भक्त पहुंच रहे हैं। इतनी बड़ी संख्या में पहुंच रहे भक्तों की सुरक्षा, रहने, खाना, पीने सहित की सुविधा दी जा रही है। विशेष करके यह मेले का मुख्य आकर्षण नागा बावा और शाही स्नान है, जो महाशिवरात्री की रात को आयोजित किया जाएगा। जिसकी एक झलक लेने के लिए लोगों में होड़ लग जाती है। गत शुक्रवार से भवनाथ मेले का प्रारंभ हुआ है। यह पांच दिन के मेले के लिए पहले से तैयारियां शुरू की गई थी। यहां भवनाथदादा के दर्शन के लिए आते भक्तों को कोई समस्या नहीं हो इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। सेक्रेटरी और सेनिटेशन अधीक्षक कल्पेश टोलिया ने बताया है कि, भवनाथदादा का मेला भक्तों के लिए दो वर्ष से स्थगित रखा गया था। दूसरी तरफ सोमवार को उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ आ रहे है। यह मेला विश्व प्रसिद्ध है। देश विदेश से भक्त आ रहे हैं और अभी भी बड़ी संख्या में भक्त पहुंचेंगे। अब प्रशासन द्वारा इसकी भी विशेष सावधानी रखी जा रही है। भवनाथ मेले में आते भक्तों के लिए २४२ प्रकार के अन्नक्षेत्र का आयोजन भी किया गया है। यहां आते भक्तों को खाना, पीना और रहने सहित की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। गिरनार की तलेटी में पैर रखे यानी कि जगह जगह आपको भजन के साथ भोजन की सुविधा देखने को मिलेगी। यहां जो भक्त दर्शन करने के लिए आ रहे है उनका कहना है कि, भवनाथदादा के दर्शन करके हम धन्य अनुभव कर रहे हैं। यह मेला यानी कि प्रसिद्ध है इसके दर्शन लेने के लिए लाखों भक्त पहुंच रहे हैं।

# पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन अहमदाबाद द्वारा खेलकूद प्रतियोगिता का अयोजन किया गया

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन अहमदाबाद (ै६) द्वारा अहमदाबाद मण्डल के एडीएसए क्रिकेट ग्राउन्ड साबरमती में खेलकूद प्रतियोगिता जोश-2022 का आयोजन के साथ ही पुरस्कार वितरण समारोह एवं समापन किया गया।

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन अहमदाबाद की अध्यक्षा श्रीमति गीतिका जैन ने बताया कि जोश-2022 खेलकूद प्रतियोगिता जिसमें दिनांक 19 फरवरी 2022 को ओफिसर्स क्लब गांधीग्राम में और 26 फरवरी 2022 को एडीएसए क्रिकेट ग्राउन्ड साबरमती में विभिन्न 10 तरह की इवैंटस में 350 से अधिक रेलवे कर्मचारियों के 6 से 17 वर्ष के बच्चों ने भाग लिया।

श्रीमति जैन ने कहा कि इस कार्यक्रम के आयोजन की शुरुआत में हमने यह नहीं सोचा था कि यह कार्यक्रम इतना सफल रहेगा। हमारा प्रयास बस कुछ बेहतर कर दिखाने का था। आप सभी के साथ, आप के विश्वास और हमारे संगठन के सदस्यों के अथक प्रयास से यह कार्यक्रम सफल हुआ। कोविड के नकारात्मक माहौल के बाद इस तरह के कार्यक्रम ना केवल उत्साह का संचार करते हैं बल्कि हमारे बच्चों में पॉजिटीव एनर्जी भी पैदा करते हैं। इस कार्यक्रम के उत्साह को देखते हुए आगे भी इस तरह के इवैंट कराते रहेंगे।

इस प्रतियोगिता में बैडमिंटन, टेबल टेनिस, चेस,कैरम, दौड़, लॉन्ग जंप, बनाना दौड़, नींबू दौड़ तथा बौरा दौड़ इत्यादि खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे बच्चों को श्रीमति जैन द्वारा मेडल, ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम में पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन अहमदाबाद की अध्यक्षा के साथ संगठन की सदस्याएं, रेलवे अधिकारी, कर्मचारी तथा बच्चों के पैरेंट्स उपस्थित रहे।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95